मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

उत्तरशक्ति

हिन्दी दैनिक

मुंबई
वर्षः 9 अंक 114
बुधवार, 04 नवम्बर 2026
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

सार्वजनिक धन के उपयोग में जवाबदेही जरूरी, पीएसी सुधारात्मक कदम उठाएः ओम बिरला

तिरुवनंतपुरम, 03 नवम्बर। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को कहा कि सरकारी खजाने से निकाले जाने वाले एक-एक रुपये का उचित हिसाब रखा जाना चाहिए और उसका पूरा उपयोग उसी उद्देश्य के लिए किया जाना चाहिए, जिसके लिए उसे मंजूरी दी गई है। बिरला ने संसद तथा राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की विधानसभाओं की लोक लेखा समितियों (पीएसी) के सभापतियों के सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि सार्वजनिक धन के उपयोग के प्रति जवाबदेही लोकतंत्र की एक अनिवार्य शर्त है। इस दो दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन सत्र केरलम विधानसभा में आयोजित किया गया।

इसमें मुख्यमंत्री वी डी सतीशन, संसद की लोक लेखा समिति के अध्यक्ष के सी वेणुगोपाल सहित अन्य लोग शामिल हुए। बिरला ने कहा कि पीएसी की सिफारिशों की वास्तविक उपयोगिता तभी सामने आती है, जब उनके परिणामस्वरूप व्यवस्था में ठोस सुधार हों और भविष्य में कमियां दोहराई न जाएं। उनका कहना था कि कि लोक लेखा समितियां यह सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण योगदान दे सकती हैं कि सार्वजनिक धन निर्धारित उद्देश्यों पर खर्च हो, सरकारी योजनाओं में पारदर्शिता बनी रहे और जहां भी कमियां सामने आएं, वहां समय रहते सुधारात्मक कदम उठाए जाएं।

लोकसभा अध्यक्ष ने कहा कि सरकारी कामकाज में नई प्रौद्योगिकियों, बड़े सार्वजनिक निवेश और कई संस्थानों की बढ़ती भागीदारी के कारण पीएसी की भूमिका का महत्व कई गुना बढ़ गया है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक धन का उपयोग स्वीकृत उद्देश्यों और निर्धारित प्रक्रियाओं के अनुरूप पूरी जिम्मेदारी के साथ किया जाना चाहिए। जनता का प्रत्येक रुपया उसकी आकांक्षाओं और योगदान का प्रतिनिधित्व करता है, इसलिए इसे वित्तीय अनुशासन के उच्चतम मानकों के अनुरूप खर्च किया जाना चाहिए।



बिरला के अनुसार, संसद और राज्य विधानसभाओं की जिम्मेदारी केवल कानून बनाने और सरकारी नीतियों पर चर्चा करने तक सीमित नहीं है। यह सुनिश्चित करना भी उनका दायित्व है कि सरकारी खर्च स्वीकृत बजट के अनुरूप हो और उससे अपेक्षित सार्वजनिक लाभ प्राप्त हों। उन्होंने कहा, ह्यह्यसरकारी धन जनता का है।

उसके उपयोग के प्रति जवाबदेही लोकतंत्र की अनिवार्य शर्त है। हालांकि, बिरला ने यह भी स्पष्ट किया कि लेखा परीक्षा रिपोर्टों में दर्ज प्रत्येक आपत्ति को भ्रष्टाचार का मामला नहीं माना जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कई बार ये आपत्तियां प्रक्रियागत खामियों, टाले जा सकने वाले खर्च, कार्यों के क्रियान्वयन में देरी, निगरानी की कमी या योजनाओं के कार्यान्वयन में कमियों से संबंधित होती हैं। उन्होंने कहा कि इन खामियों के कारणों की पहचान करना, जिम्मेदारी तय करने में मदद करना और सुधारात्मक उपाय सुझाना समितियों के काम का महत्वपूर्ण हिस्सा है।

बिरला का कहना था कि नियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में दर्ज निष्कर्षों और आपत्तियों की पीएसी संसदीय स्तर पर जांच करती है तथा संबंधित विभागों के जवाब और उनके द्वारा की गई कार्रवाई की समीक्षा करती है। उन्होंने कहा कि कैग तथ्यों और साक्ष्यों के आधार पर सरकारी कामकाज की लेखा परीक्षा करता है, जबकि पीएसी इन निष्कर्षों को संसदीय जवाबदेही, सुधार और आगे की कार्रवाई से जोड़ती है।

भूपेश बघेल को सुप्रीम कोर्ट से झटका, चुनाव याचिका पर दायर अर्जी खारिज

नयी दिल्ली, 03 नवम्बर। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की वह नयी याचिका खारिज कर दी, जिसमें उन्होंने पाटन विधानसभा क्षेत्र से 2023 में उनके निर्वाचन के खिलाफ दायर चुनाव याचिका की विचारणीयता पर कोई प्रारंभिक मुद्दा तय करने से इनकार करने संबंधी उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती दी थी। शीर्ष अदालत ने 28 सितंबर को पूर्व मुख्यमंत्री की उस याचिका में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया था, जिसमें उन्होंने 2023 में उनके निर्वाचन के खिलाफ भाजपा नेता विजय बघेल द्वारा दायर चुनाव याचिका को चुनौती दी थी। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची एवं न्यायमूर्ति वी. मोहना की पीठ ने सुनवाई में देरी करने की कोशिशों पर मंगलवार को नाराजगी जताई।



पीठ ने इस बात पर जोर दिया कि चुनाव याचिकाओं का निस्तारण उचित समय-सीमा के भीतर होना चाहिए। न्यायमूर्ति मोहना ने पूर्व मुख्यमंत्री की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल और विवेक तन्खा से कहा, मुकदमे को आगे बढ़ने दें। आप देरी कर रहे हैं। सिब्बल ने कहा कि छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने यह मानने में त्रुटि की है कि फैसले के लिए कोई प्रारंभिक मुद्दा नहीं बनता है। उन्होंने कहा कि अदालत को या तो समय-सीमा के सवाल पर शुरूआती मुद्दे के तौर पर फैसला करना चाहिए, या फिर यह कहने से बचना चाहिए कि ऐसा कोई मुद्दा है ही नहीं। सिब्बल ने कहा, दो मांगें हैं। एक यह कि शुरूआती मुद्दे पर फैसला किया जाए, या फिर यह न कहा जाए कि कोई मुद्दा नहीं है।

(उच्च न्यायालय द्वारा) यह कहा गया कि कोई मुद्दा नहीं है। न्यायमूर्ति मोहना ने कहा, आप यह दलील पहले भी दे सकते थे और किसी उचित आधार के बिना कोई मुद्दा तय नहीं किया जा सकता। प्रधान न्यायाधीश ने भी सवाल किया कि उन्होंने अपने लिखित बयान में जरूरी आपत्तियों को शामिल करने के लिए उसमें संशोधन की मांग क्यों नहीं की। यह उल्लेख करते हुए कि चुनावी विवादों का निपटारा एक तय समय-सीमा के भीतर होना चाहिए, न्यायमूर्ति बागची ने कहा कि इस याचिका पर विचार करने से और भी अर्जियां आ सकती हैं, जिससे कार्यवाही में देरी हो सकती है।

गुजरात एटीएस ने 438 करोड़ रुपये के ड्रग्स मामले में तस्कर सलीम इस्माइल डोला को पकड़ा

अहमदाबाद, 03 नवम्बर। गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने तुर्किये से प्रत्यर्पित कर लाए गए अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्कर सलीम इस्माइल डोला को गिरफ्तार किया। डोला को इस साल की शुरूआत में भारत लाया गया था। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।डोला की गिरफ्तारी 2022 में वडोदरा की एक फैक्टरी से 438.64 करोड़ रुपये मूल्य का मेफेड्रोन जब्त किए जाने के मामले में हुई। अधिकारियों के अनुसार, डोला मादक पदार्थ बनाने में कथित तौर पर इस्तेमाल होने वाले रसायनों की आपूर्ति करता था और बाद में तैयार मादक पदार्थ की खरीद-बिक्री भी करता था। उन्होंने बताया कि डोला के गिरोह के सदस्य मादक पदार्थों को कानूनी रूप से निर्यात किए जाने वाले सामान से भरे कंटेनरों में छिपाकर



विदेश भेजते थे और इस कारोबार को अंजाम देने के लिए गंतव्य देशों में फर्जी कंपनियां भी बनाई गई थीं। इस साल अप्रैल में स्वापक नियंत्रण ब्यूरो (एनसीबी) सलीम डोला को तुर्किये से भारत वापस लाया था। डोला को मार्च 2024 में भारत के अनुरोध पर जारी इंटरपोल के रेड नोटिस के आधार पर तुर्किये में गिरफ्तार किया गया था। दाऊद इब्राहिम का करीबी सहयोगी बताया जाने वाला डोला भारत में मादक पदार्थों की तस्करी का आरोपी है और उस पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मादक पदार्थों की तस्करी का नेटवर्क संचालित करने का भी आरोप है। एटीएस के सहायक पुलिस आयुक्त एसएल चौधरी ने बताया कि गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते (एटीएस) ने 31 अक्टूबर को डोला को हिरासत में लिया था। एटीएस ने एक दिसंबर 2022 को वडोदरा जिले के सिंधरोत गांव के पास मादक पदार्थ बनाने वाली एक इकाई पर छापा मारा था और वहां से 87.728 किलोग्राम मेफेड्रोन (एमडी) जब्त किया था। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी कीमत 438.64 करोड़ रुपये आंकी गई थी। इस मामले में स्वापक औषधि एवं मनःप्रभावी पदार्थ (एनडीपीएस) अधिनियम के तहत मामला दर्ज कर अब तक कुल 10 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है।

दिल्ली प्रदर्शन पर सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को भेजा नोटिस, अनिश्चितकाल तक धरना स्थल घेरना गलत

नई दिल्ली, 03 नवम्बर। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को केंद्र और अन्य प्रतिवादियों को नोटिस जारी किए। यह कार्रवाई मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ हो रहे विरोध प्रदर्शनों पर दिल्ली पुलिस की सख्ती को चुनौती देने वाली याचिकाओं की सुनवाई के दौरान की गई। कोर्ट ने यह भी कहा कि कोई भी समूह विरोध प्रदर्शन के लिए किसी जगह पर अनिश्चित काल तक कब्जा करके नहीं बैठ सकता। भारत के मुख्य न्यायाधीश सूर्य कांत, और जस्टिस जॉयमाल्य बागची तथा जस्टिस जेवी मोहना की पीठ ने 'किराना कमिटी दिल्ली' की एक याचिका पर भी सुनवाई की, जिसमें त्योहारों के मौसम के दौरान विरोध प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग की गई थी। सुनवाई के दौरान विरोध करने के अधिकार, पुलिस की कथित ज्यादतियों, सार्वजनिक स्थानों पर पाबंदियों और प्रदर्शनों का व्यापार पर पड़ने वाले असर को लेकर तीखी बहस हुई। सुनवाई के दौरान, अदालत ने राष्ट्रीय राजधानी में विरोध-प्रदर्शन के लिए तय जगहों के इस्तेमाल को लेकर अलग-अलग पक्षों के दावों पर विचार किया। व्यापारियों के संगठनों ने त्योहारों के मौसम में प्रदर्शनों पर रोक लगाने की मांग की, और कहा कि इससे उनके कारोबार को भारी नुकसान होता है। सुनवाई की पिछली तारीख पर, सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार को निर्देश दिया था कि वह विरोध-प्रदर्शनों के दौरान दिल्ली में 'भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता' की धारा 163 के तहत जारी किए गए आदेशों को पेश करे। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता



ने बेंच को बताया कि सरकार के जवाब में पांच श्रेणियां शामिल हैं, जिनमें 'हेबियस कॉर्पस' (बंदी प्रत्यक्षीकरण) याचिकाएं, पत्रकार, वकील और जंतर-मंतर को 'डीनोटिफाई' (अधिसूचना रद्द) करने से जुड़े मामले शामिल हैं। याचिकाकताओं की ओर से पेश वरिष्ठ वकील मेनका गुरुस्वामी ने कहा कि धारा 163 के तहत जारी आदेशों को अदालत के सामने अलग से पेश किया जाना चाहिए था। उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने अपनी कार्रवाई के पक्ष में तर्क तो पेश कर दिए हैं, लेकिन संबंधित आदेश अभी तक रिकॉर्ड पर नहीं रखा गया है। इस पर मेहता ने जवाब दिया कि पांचवें हलफनामे में यह जानकारी मौजूद है। गुरुस्वामी ने जोर देकर कहा कि याचिकाकताओं को इस हलफनामे की एक प्रति दी जानी चाहिए। दिल्ली में व्यापारी संघों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने राष्ट्रीय राजधानी में प्रदर्शनों के कारण होने वाली बाधाओं पर चिंता जताई। उन्होंने तर्क दिया कि इससे व्यावसायिक गतिविधियों पर पड़ने वाले असर पर भी विचार किया जाना चाहिए। रोहतगी ने अदालत से कहा वहां 50 लाख लोग रहते हैं। अब हमें किसी योजना के बारे में सोचना होगा। अब यह सिर्फ इधर-उधर जंतर-मंतर वाली बात नहीं रह गई है।

उन्होंने कहा कि कनॉट प्लेस और आसपास के इलाकों में दुकानें बंद रहीं और दावा किया कि त्योहारी सीजन के दौरान व्यापारियों को नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने कहा अगर त्योहारी सीजन में बिक्री नहीं होती, तो हमारा कारोबार गिर जाता है।

त्रिपुरा में ग्रामीणों के हमले में बीएसएफ के 3 सुरक्षाकर्मी घायल, मुख्यमंत्री ने की निंदा

त्रिपुरा। त्रिपुरा के सिपाहीजाला जिले में एक व्यक्ति को हिरासत में लिए जाने के बाद ग्रामीणों के एक समूह ने सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के जवानों पर हमला कर दिया, जिसमें एक सहायक कमांडेंट सहित कम से कम तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। मुख्यमंत्री माणिक साहा ने घटना की निंदा करते हुए पुलिस को त्वरित कार्रवाई करने का निर्देश दिया है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि सोमवार को कलमचौरा थाना क्षेत्र में आशाबाड़ी सीमा चौकी के पास हुई इस घटना के सिलसिले में तीन महिलाओं सहित नौ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।

सिपाहीजाला के पुलिस अधीक्षक विजय देबबर्मा ने मंगलवार को बताया, "सोमवार को



आशाबाड़ी में तस्करी की संदिग्ध गतिविधियों के आरोप में एक व्यक्ति को हिरासत में लिए जाने के बाद गुस्साए ग्रामीणों ने हमला कर दिया। इसमें सहायक कमांडेंट सहित बीएसएफ के कम से कम तीन सुरक्षाकर्मी घायल हो गए। भीड़ ने बीएसएफ के एक वाहन में तोड़फोड़ की और सीमा प्रहरियों से हथियार छीनने की कोशिश की।" उन्होंने एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, "घटना में सीधे तौर पर शामिल तीन महिलाओं सहित नौ ग्रामीणों को गिरफ्तार किया गया है।'

खाद्य विभाग की टीम के साथ खोया मंडी पहुंचीं रेखा गुप्ता, 7000 किलो खराब मावा किया गया नष्ट

नई दिल्ली, 03 नवम्बर। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता खाद्य विभाग की टीम के साथ मंगलवार को यहां मोरी गेट स्थित खोया मंडी पहुंचीं जहां लगभग 7,000 किलो खराब और दुर्गंधयुक्त खोया जब्त कर उसे नष्ट किया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। उनके मुताबिक, मोरी गेट की खोया मंडी में खाद्य सुरक्षा विभाग का यह चौथा अभियान है। विभाग की टीम ने मोरी गेट की खोया मंडी में अभियान के दौरान 44 नमूने एकत्र किए और इनकी मौके पर ही 'फूड सेफ्टी ऑन व्हील्स' सचल जांच सुविधा के माध्यम से प्रारंभिक जांच की गई, जिसमें 35 नमूने जांच में फेल पाए गए।

अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा दो अन्य नमूने भी एकत्र



किए गए, जिन्हें विस्तृत जांच के लिए प्रयोगशाला भेजा गया है और मौके पर की गई प्रारंभिक जांच में संदिग्ध सामग्री में दूध पाउडर, वनस्पति और बाइंडिंग के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले पदार्थों की मिलावट से संबंधित जानकारी सामने आई है। उनके मुताबिक, इन सामग्रियों के संबंध में आगे की जांच के लिए नमूने प्रयोगशाला भेजे गए हैं। मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) ने बताया कि यह कार्रवाई गुप्ता की निगरानी में की गई।

गुप्ता ने कहा कि सरकार जनस्वास्थ्य के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं करेगी और मिलावटखोरी करने वाले चाहे कितने भी प्रभावशाली क्यों न हों, उन्हें कानून के दायरे में लाकर उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा, दीपावली की खुशियों में मिलावट करने वालों के लिए दिल्ली में कोई जगह नहीं है।

जनस्वास्थ्य की सुरक्षा सर्वोपरि है और मिलावटखोरों के विरुद्ध दिल्ली सरकार की कार्रवाई आगे भी पूरी सख्ती के साथ जारी रहेगी।

DAKS REHAB CENTRE
(PARALYSIS PHYSIOTHERPHY CENTER AND OLD AGE HOME)
Contact us: 9820519851
विल्डिंग नंबर 3, प्लॉट नंबर 3, आदर्श घरकुल सोसायटी सायन कोलीवाडा जीटीबी नगर मुंबई-37
* Stroke/Paralysis/Complete Rehab Centre
* बाहर से आये रोगी और उनके परिजनो के ठहरने कि व्यवस्था
* वृद्ध लोगों के लिए रहने की सुविधा उपलब्ध
* DM/HT/THYROID इन सब से कैसे बचें
* NGO में मिलनेवाली सहायता को लोगों में देना
* चिकित्सा उपकरणो को किराये और बिक्री सुविधा उपलब्ध
* एम्बुलेंस सेवा उपलब्ध
* पोस्ट ऑपरेटिव रिहैब सेंटर
* मरीजों के लिए घर पर 12 और 24 घंटे जीडीए परिचारक
* विशेषज्ञ डॉक्टरो से ऑनलाइन और ऑफलाइन परामर्श की सुविधा उपलब्ध
* मासिक ईएमआई के आधार पर व्यक्तीयों, परिवारो और माता-पिता के लिए स्वास्थ्य निती की चिकित्सा सुविधा उपलब्ध



TIWARI'S SARASWATI CLASSES
Since 1992
Parents' First Choice for 34+ Years
Prof. Dr. Dayanand Tiwari
Founder & Academic Director
ADMISSIONS OPEN
9th | 10th | 11th | 12th SCIENCE
NEET | JEE | MHT-CET
10 DAYS FREE DEMO
Attend Classes • Experience Our Teaching
Take Admission After Satisfaction
(No Hidden Conditions)
✓ 34+ Years of Academic Excellence
✓ Experienced & Dedicated Faculty
✓ Personal Attention
✓ Printed Notes & Regular Tests
✓ Strong Foundation for Boards & Competitive Exams
Santacruz Branch
101 Sai Chambers, Opp. Santacruz Railway Station (East), Near Depot, Santacruz (E), Mumbai 400055
Sion Branch
Opp. SIES College (Old), Near Gurukripa Hotel, Sion (West), Mumbai
Limited Seats / Small Batch Size
CALL NOW:
7738007373

NEW LIGHT CLASSES
TRADITION OF EXCELLENCE
2nd Floor, Sheetal Bldg. Near Diamond Talkies, L. T. Road, Borivali (West) Mumbai - 400 092 Maharashtra
ADMISSIONS OPEN
ALL OVER INDIA
ENROLL NOW



(ONLINE/OFFLINE)
Courses Offered
● Std. XI & XII (Sci.)
● NEET
● JEE (Main & Advance)
● MHT-CET
● Polytechnic & Engg
● Physics and Maths (ICSE, CBSE, ISC)
M: 9833240148 | E: edu@newlightclasses.com | W: www.newlightclasses.com

अंतर्राष्ट्रीय तनाव जागरूकता दिवस (4 नवंबर 2026) पर विशेष

मन की शांति में ही जीवन की सच्ची समृद्धि



-ललित गर्ग

जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि मनुष्य ने संसार को सुविधाओं से भर दिया, लेकिन स्वयं के भीतर सुकून के लिए जगह कम कर ली। आज हमारे पास समय बचाने के असंख्य साधन हैं, पर समय का अभाव है, संवाद के अनगिनत माध्यम हैं, पर आत्मीयता का अकाल है, भौतिक समृद्धि के नए प्रतिमान हैं, लेकिन मानसिक शांति निरंतर दूर होती जा रही है। आधुनिक मनुष्य की इस विरोधाभासी स्थिति का सबसे बड़ा नाम है-तनाव। तनाव अब केवल मन की बेचैनी नहीं, बल्कि हमारे समय की एक गंभीर सामाजिक, पारिवारिक, आर्थिक और वैश्विक चुनौती बन चुका है। इसी चुनौती के प्रति चेतना जगाने के लिए अंतर्राष्ट्रीय तनाव जागरूकता दिवस मनाया जाता है। वर्ष 2026 में इसकी थीम है- ह्यह्यतनाव-मुक्ति और कल्याण के भविष्य को आकार देना तथा कार्यस्थल को फिर से मानवीय बनाना। यह विषय हमें याद दिलाता है कि कार्यस्थल केवल उत्पादन और उपलब्धियों का केंद्र



नहीं, बल्कि मनुष्य की संवेदनाओं, गरिमा और मानसिक स्वास्थ्य का भी स्थान होना चाहिए। आज का मनुष्य सुबह आंख खुलने से लेकर रात आंख बंद होने तक एक अदृश्य दौड़ में शामिल है। नौकरी की असुरक्षा, व्यवसाय की प्रतिस्पर्धा, आर्थिक अपेक्षाएं, पारिवारिक जिम्मेदारियां, बच्चों की शिक्षा, युवाओं के भविष्य की चिंता, बुजुर्गों का अकेलापन और सामाजिक प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव उसके मन को लगातार मथता रहता है। शिक्षा के क्षेत्र में अंक और प्रतियोगिता बच्चों के बचपन पर भारी पड़ रहे हैं। कार्यस्थलों पर लक्ष्य, समय-सीमा और प्रदर्शन का दबाव व्यक्ति को मशीन में बदलने लगा है। परिवारों में संवाद की जगह मोबाइल ने और आत्मीयता की जगह औपचारिकताओं ने ले ली है। इस व्यक्तिगत तनाव के ऊपर वैश्विक परिस्थितियों का बोझ भी कम नहीं है। युद्ध, आतंकवाद, हिंसा, राजनीतिक अस्थिरता, आर्थिक अनिश्चितता, जलवायु परिवर्तन, प्रदूषण और प्राकृतिक आपदाओं की खबरें मनुष्य के भीतर भय और असुरक्षा का वातावरण निर्मित करती हैं। दुनिया के किसी कोने में होने वाला संघर्ष अब केवल उस क्षेत्र की समस्या नहीं रहता, बल्कि संचार माध्यमों के कारण पूरी मानवता की सामूहिक चिंता बन जाता है। इस प्रकार तनाव की सीमाएं घर की चारदीवारी से निकलकर राष्ट्रों और महाद्वीपों तक फैल गई हैं। तनाव को यदि समय रहते समझा और नियंत्रित नहीं किया जाए तो यह शरीर और मन दोनों की कार्यक्षमता को प्रभावित कर सकता है। लगातार तनाव से नींद में गड़बड़ी, उच्च रक्तचाप, हृदय संबंधी समस्याएं, पाचन संबंधी परेशानियां, चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाग्रता में कमी जैसी स्थितियां उत्पन्न हो सकती हैं। तनाव मनुष्य की निर्णय क्षमता को कमजोर करता है और उसके संबंधों में कटुता घोल देता है। कहावत है-ह्यचिंता चिता समान है। यह केवल साहित्यिक अभिव्यक्ति नहीं, बल्कि जीवन का गहरा मनोवैज्ञानिक सत्य है। चिंता भविष्य की अनिश्चितताओं को वर्तमान की खुशियों पर हावी कर देती है। इसलिए तनाव से मुक्ति का पहला कदम है-अपनी परिस्थितियों को स्वीकार करना, समस्याओं को पहचानना और उनके समाधान की दिशा में विवेकपूर्ण प्रयास करना। इस संदर्भ में जैन धर्म के महान आध्यात्मिक आचार्य आचार्य श्री महाप्रज्ञ द्वारा विकसित एवं व्यवस्थित की गई प्रेक्षाध्यान पद्धति तनावमुक्त जीवन का एक अत्यंत प्रभावशाली मार्ग प्रस्तुत करती है। प्रेक्षाध्यान का मूल भाव है-देखना, जागरूक होकर देखना और अपने भीतर घटित होने वाली प्रक्रियाओं को निष्पक्ष भाव से समझना। यह केवल आंखें बंद करके बैठने की क्रिया नहीं, बल्कि स्वयं से साक्षात्कार करने की वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक साधना है। आचार्य महाप्रज्ञ ने ध्यान, श्वास-प्रेक्षा, शरीर-प्रेक्षा, चौतन्य-केंद्र प्रेक्षा और अनुप्रेक्षा जैसे प्रयोगों के माध्यम से मनुष्य को अपने मन, शरीर और भावनाओं के बीच संतुलन स्थापित करने की प्रेरणा दी।

प्रेक्षाध्यान का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष है-भावनात्मक संतुलन। क्रोध, भय, ईर्ष्या, आवेश और निराशा जैसी वृत्तियों को पहचानकर उनके परिष्कार का प्रयास करना तनाव प्रबंधन की दिशा में सार्थक कदम है। प्रतिदिन 15 से 20 मिनट का नियमित ध्यान, श्वास पर एकाग्रता और आत्मनिरीक्षण व्यक्ति के जीवन में धैर्य, सहनशीलता तथा मानसिक स्थिरता विकसित कर सकते हैं। इस साधना का संदेश है कि परिस्थितियों को हमेशा बदलना संभव नहीं, लेकिन परिस्थितियों के प्रति अपनी प्रतिक्रिया बदलना हमारे हाथ में है। भारत की आध्यात्मिक परंपरा भी तनावमुक्त जीवन का अनमोल दर्शन प्रस्तुत करती है। उपनिषदों का आत्मबोध, गीता का निष्काम कर्मयोग, भगवान महावीर का समता दर्शन, भगवान बुद्ध का मध्यम मार्ग और पतंजलि का अष्टांग योग मनुष्य को भीतर से मजबूत बनाने की प्रेरणा देते हैं। गीता का संदेश है-कर्म करो, फल की चिंता में स्वयं को मत उलझाओ। इसका अर्थ कर्म से पलायन नहीं, बल्कि परिणाम के अनावश्यक भय से मुक्त होकर पूरी निष्ठा से अपने दायित्वों का निर्वहन करना है। योग, प्राणायाम, ध्यान, मौन, स्वाध्याय और नियमित दिनचर्या मनुष्य को मानसिक संतुलन प्रदान करने के प्रभावी माध्यम हैं।

हमारी त्योहार संस्कृति भी तनाव के विरुद्ध एक सुंदर सामाजिक एवं सांस्कृतिक औषधि है। दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर बढ़ने का संकल्प देती है। होली मन के पुराने विकारों और कटु स्मृतियों को रंगों में बहाकर संबंधों में नई आत्मीयता भरने का अवसर देती है। रक्षाबंधन रिश्तों की सुरक्षा और विश्वास का उत्सव है। ईद भाईचारे, सेवा और साझी खुशियों का संदेश देती है, तो क्रिसमस प्रेम, करुणा और क्षमा की प्रेरणा देता है। पर्युषण पर्व आत्मशुद्धि, क्षमाभाव, संयम और आत्मनिरीक्षण का अवसर प्रदान करता है। विशेषकर क्षमापना का भाव मनुष्य के भीतर वर्षों से संचित कटुता और प्रतिशोध की गांठें खोल सकता है। त्योहारों का वास्तविक आनंद तभी है जब वे केवल बाहरी सजावट और खर्च तक सीमित न रहकर मनुष्यों को मनुष्यों के करीब लाएं। सामूहिक उत्सव, पारिवारिक मिलन, लोकगीत, संगीत, सेवा और प्रकृति के साथ जुड़ाव जीवन में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करते हैं। तनावमुक्त समाज के निर्माण में कार्यस्थलों, शिक्षण संस्थानों और परिवारों की भूमिका भी अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। कार्यालयों में मानवीय व्यवहार, काम और विश्राम के बीच संतुलन, सहकर्मियों के प्रति संवेदनशीलता तथा मानसिक स्वास्थ्य पर खुली बातचीत को प्रोत्साहन मिलना चाहिए। विद्यालयों में बच्चों की तुलना करने के बजाय उनकी प्रतिभा को समझना आवश्यक है। परिवारों में एक-दूसरे को सुनने, साथ बैठने और भावनाओं को साझा करने की संस्कृति विकसित करनी होगी। पर्याप्त नींद, संतुलित आहार, नियमित व्यायाम, प्रकृति के सान्निध्य और डिजिटल माध्यमों के विवेकपूर्ण उपयोग को जीवनचर्या का हिस्सा बनाना चाहिए। गंभीर या लगातार बने रहने वाले तनाव में मनोवैज्ञानिक अथवा योग्य चिकित्सक की सहायता लेने में भी संकोच नहीं करना चाहिए। वस्तुतः तनाव से मुक्ति का अर्थ चुनौतियों से भागना नहीं, बल्कि चुनौतियों के बीच भी स्वयं को संभालकर रखना है। जीवन में उतार-चढ़ाव आते रहेंगे, परिस्थितियां बदलती रहेंगी, अपेक्षाएं जन्म लेती रहेंगी, लेकिन इन सबके बीच मनुष्य अपने भीतर शांति का एक ऐसा दीप जला सकता है, जिसकी रोशनी बाहरी अंधेरों से प्रभावित न हो। हमें समझना होगा कि सफलता का अर्थ केवल अधिक पाना नहीं, बल्कि जो प्राप्त है उसमें संतोष, संबंधों में मधुरता और मन में संतुलन बनाए रखना भी है। अंततः जीवन की सार्थकता इस बात में नहीं कि हमने कितनी ऊंचाइयां छुईं, बल्कि इस बात में है कि उन ऊंचाइयों तक पहुंचते हुए अपने भीतर की शांति कितनी बचाकर रखी। तनाव को जीवन का स्वामी नहीं, अपनी जागरूकता से नियंत्रित की जाने वाली स्थिति बनाना ही इस दिवस का वास्तविक संदेश है। आइए, हम ऐसी जीवनशैली और ऐसी सामाजिक संस्कृति का निर्माण करें, जहां प्रतिस्पर्धा से अधिक सहयोग, उपलब्धियों से अधिक आत्मीयता और भौतिक प्रगति से अधिक मानवीय संवेदनाओं का सम्मान हो। क्योंकि स्वस्थ मन ही स्वस्थ परिवार, स्वस्थ समाज और शांतिपूर्ण विश्व की आधारशिला है।

पंजाब की सियासत में 'कमल' की दस्तक और आम आदमी पार्टी का अंतर्विरोध



अशोक भाटिया

पंजाब विधानसभा चुनाव 2027 की तारीखें अभी आधिकारिक तौर पर घोषित नहीं हुई हैं, लेकिन राज्य की राजनीतिक बिसात पर शह और मात का खेल अपने चरम पर पहुंच चुका है। आम आदमी पार्टी द्वारा 31 अक्टूबर 2026 को अपने 40 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी किए जाने के ठीक बाद, पार्टी के भीतर सुलग रही असंतोष की चिंगारी एक बड़े विस्फोट में बदल गई है। अमृतसर नॉर्थ से विधायक और पूर्व आईपीएस अधिकारी कुंवर विजय प्रताप सिंह, समाना से विधायक व पूर्व स्वास्थ्य मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा, और सनौर से विधायक हरमीत सिंह पठानमाजरा का एक साथ पाला बदलकर भारतीय जनता पार्टी में शामिल होना केवल तीन विधायकों का इस्तीफा नहीं है, बल्कि यह भगवंत मान सरकार और आम आदमी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के लिए एक गहरा राजनीतिक और नैतिक झटका है। नई दिल्ली में भाजपा के केंद्रीय कार्यालय में 2 नवंबर 2026 को जिस तरह इन नेताओं को पार्टी की सदस्यता दिलाई गई, उसने इस चर्चा को फिर से हवा दे दी है कि क्या पंजाब में भी भाजपा का बहुचर्चित 'ऑपरेशन लोटस' पूरी ताकत से सक्रिय हो चुका है।

इस राजनीतिक उठापटक को समझने के लिए इसके कालक्रम और पृष्ठभूमि को देखना अनिवार्य है। विपक्षी खेमे और राजनीतिक विश्लेषकों के अनुसार, पंजाब में आम आदमी पार्टी को कमजोर करने या सत्ता परिवर्तन की इस पटकथा की शुरूआत हाल-फिलहाल में नहीं हुई, बल्कि इसकी जड़ें काफी गहरी हैं। मार्च 2024 और उसके बाद के महीनों में जब आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सांसदों का एक बड़ा धड़ा, जिसमें राघव चड्ढा और डॉ. संदीप पाठक जैसे प्रमुख चेहरे शामिल थे, धीरे-धीरे पार्टी लाइनों से दूर हुआ और बाद में 7 राज्यसभा सांसदों के एक गुट ने तकनीकी रूप से भाजपा के साथ विलय का रास्ता चुना, तभी से पंजाब की सत्ताधारी पार्टी के भीतर दरारें साफ दिखाई देने लगी थीं। उस समय भी मुख्यमंत्री भगवंत मान ने इसे 'गद्दारी' करार दिया था और केंद्रीय एजेंसियों के दबाव में किया गया दलबदल बताया था। इसके बाद जब भगवंत मान सरकार ने जालंधर में अपना शक्ति प्रदर्शन करने के लिए विधायकों की बैठक बुलाई, तो 94 विधायकों में से केवल 65 विधायक ही वहां पहुंचे। यह इस बात का स्पष्ट संकेत था कि पार्टी के लगभग 29 विधायक या तो नेतृत्व से नाराज थे या किसी अन्य राजनीतिक विकल्प की तलाश में थे। अब, नवंबर 2026 की शुरूआत में तीन सिटिंग विधायकों का इस्तीफा देना इसी सिलसिले की अगली और अधिक आक्रामक कड़ी है।

संसदीय लोकतंत्र में जब भी किसी राज्य में सत्ताधारी दल के विधायक विपक्षी दल में शामिल होते हैं, तो सत्ता पक्ष द्वारा इसे 'ऑपरेशन लोटस' की संज्ञा दी जाती है। आम आदमी पार्टी का आरोप है कि भाजपा धनबल, बाहुबल और केंद्रीय जांच एजेंसियों जैसे प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई के डर का इस्तेमाल कर लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गई सरकारों को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है। देश के राजनीतिक इतिहास में कर्नाटक, मध्य प्रदेश और गोवा जैसे राज्यों में सरकारों का गिरना या विधायकों का बड़े पैमाने पर दलबदल करना इस रणनीति का हिस्सा माना जाता रहा है। पंजाब के संदर्भ में भी, तीन विधायकों के भाजपा में जाने के बाद आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल और मुख्यमंत्री भगवंत मान ने तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उनका तर्क है

हिन्दी दैनिक
उत्तरशक्ति
मार्गदर्शन

कि पंजाब की जनता ने 2022 में आम आदमी पार्टी को 92 सीटों का प्रचंड बहुमत देकर बदलाव की जो जिम्मेदारी सौंपी थी, भाजपा उसे चोर दरवाजे से हथियाना चाहती है। हालांकि, इस सिक्के का दूसरा पहलू भी है, जिसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। पार्टी छोड़ने वाले विधायकों ने जो आरोप लगाए हैं, वे केवल राजनीतिक अवसरवाद की कहानी नहीं कहते, बल्कि वे शासन और प्रशासन की गंभीर विफलताओं की ओर इशारा करते हैं।

इस्तीफा देने वाले तीनों नेताओं—कुंवर विजय प्रताप, चेतन सिंह जौड़ामाजरा और हरमीत सिंह पठानमाजरा—ने मीडिया के सामने आकर अपनी ही सरकार को कटघरे में खड़ा किया है। कुंवर विजय प्रताप सिंह, जिन्होंने 2015 के कोटकपूरा और बहबल कलां गुरु ग्रंथ साहिब बेअदबी मामले की जांच करने वाली एसआईटी का नेतृत्व किया था, लंबे समय से आम आदमी पार्टी की कार्यप्रणाली से असंतुष्ट चल रहे थे। उनका आरोप है कि जिस बेअदबी मामले को सुलझाने और दोषियों को सजा दिलाने के वादे पर आम आदमी पार्टी सत्ता में आई थी, उस पर मान सरकार ने जानबूझकर ढीली पैरवी की और राजनीति की। इसके अतिरिक्त, उन्होंने पंजाब के 'स्कूल्स ऑफ एमिनेंस' के दावों पर सवाल उठाए और राज्य में फैले माफिया राज की निंदा की। वहीं, पूर्व मंत्री चेतन सिंह जौड़ामाजरा और हरमीत सिंह पठानमाजरा ने सीधे तौर पर पंजाब में बढ़ते नशे (चिट्टा) के कारोबार, कानून-व्यवस्था के ध्वस्त होने, बेलगाम गैंगस्टर संस्कृति और राज्य पर बढ़ते ढाई लाख करोड़ रुपये के कर्ज को अपनी नाराजगी का कारण बताया। इन नेताओं का सबसे गंभीर आरोप यह है कि पंजाब की चुनी हुई सरकार को चंडीगढ़ से नहीं, बल्कि दिल्ली में बैठे कुछ खास लोगों और उनके सलाहकारों (जैसे विभव कुमार) द्वारा चलाया जा रहा है, जिससे स्थानीय विधायकों और मंत्रियों की गरिमा को ठेस पहुंची है।

इस मोड़ पर यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी के कितने और विधायक या नेता भाजपा का दामन थाम सकते हैं? राजनीतिक गलियारों और खुफिया रिपोर्टों में यह चर्चा आम है कि आम आदमी पार्टी के कम से कम 20 से 30 विधायक भाजपा और कांग्रेस के संपर्क में हैं। विशेष रूप से वे विधायक, जिन्हें डर है कि 2027 के चुनावों में उनका टिकट काटा जा सकता है, या जो भगवंत मान की कार्यशैली से लंबे समय से असंतुष्ट हैं, वे बहुत जल्द बड़ा कदम उठा सकते हैं। भाजपा के पंजाब प्रभारी सतीश पूनिया और राज्य इकाई के अध्यक्ष के अनुसार, यह केवल शुरूआत है और आने वाले दिनों में आम आदमी पार्टी के कई और बड़े चेहरे भाजपा में शामिल होंगे क्योंकि 'झाड़ू' का कुनबा पूरी तरह बिखर चुका है। पार्टी के भीतर असंतोष का मुख्य कारण टिकट वितरण की नीति और हाल ही में किए गए संगठनात्मक बदलाव हैं। उदाहरण के लिए, समाना निर्वाचन क्षेत्र में चेतन सिंह जौड़ामाजरा की अनदेखी कर शिरोमणि अकाली दल के पूर्व वरिष्ठ नेता सुरजीत सिंह रखड़ा को हलका इंचार्ज बना दिया गया, जिससे जौड़ामाजरा का टिकट कटना तय माना जा रहा था। इसी प्रकार, कई अन्य क्षेत्रों में भी पुराने वफादारों को दरकिनार कर पैराशूट नेताओं को तरजीह दी जा रही है, जो आने वाले समय में एक बड़ी भगदड़ का कारण बन सकता है।

भाजपा के लिए पंजाब हमेशा से एक कठिन राजनीतिक मैदान रहा है, विशेष रूप से तीन कृषि कानूनों के विरोध में हुए किसान आंदोलनों के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों में पार्टी को भारी विरोध का सामना करना पड़ा था। लेकिन अब, शिरोमणि अकाली दल के कमजोर होने और आम आदमी पार्टी के भीतर मचे इस घमासान के बीच, भाजपा पंजाब में अपने दम पर एक मजबूत विकल्प के रूप में उभरने की कोशिश कर रही है। आम आदमी पार्टी के कद्दावर हिंदू और सिख चेहरों को अपने पाले में लाकर भाजपा यह संदेश देना चाहती है कि वह राज्य के सभी वर्गों को साथ लेकर चलने के लिए तैयार है। पूर्व आईपीएस अधिकारी और सिख चेहरे के रूप में कुंवर विजय प्रताप की साफ-सुथरी छवि का उपयोग भाजपा माझा और मालवा क्षेत्रों में अपनी पैठ बढ़ाने के लिए करेगी। वहीं जौड़ामाजरा और पठानमाजरा जैसे जमीनी नेताओं के आने से पटियाला और उसके आसपास के जिलों में भाजपा का सांगठनिक ढांचा मजबूत होगा। भाजपा का यह रणनीतिक कदम स्पष्ट करता है कि वह पंजाब में केवल एक छोटी हिस्सेदार बनकर नहीं रहना चाहती, बल्कि 2027 में 'डबल इंजन' की सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ आगे बढ़ रही है। दरअसल पंजाब की राजनीति इस समय एक बेहद संवेदनशील और अनिश्चित मोड़ पर खड़ी है। आम आदमी पार्टी जिसे अपनी सबसे सुरक्षित राजनीतिक जागीर समझ रही थी, वहां आंतरिक कलह और अंतर्विरोधों के कारण दरारें साफ दिखने लगी हैं। पहली लिस्ट आते ही जो बगावत शुरू हुई है, उसने यह साबित कर दिया है कि सत्ता का अति-केंद्रीकरण और विधायकों की आवाज को दबाना किसी भी राजनीतिक दल के लिए आत्मघाती हो सकता है। यह घटनाक्रम केवल विधायकों के दलबदल का मामला नहीं है, बल्कि यह पंजाब की जनता के उस जनादेश की परीक्षा है जो उसने पारंपरिक पार्टियों को नकार कर एक 'इंकलाब' के नाम पर दिया था। यदि भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल समय रहते अपने विधायकों के असंतोष को दूर करने और शासन व्यवस्था में सुधार करने में विफल रहते हैं, तो पंजाब में कमल का खिलना केवल समय की बात रह जाएगी। आगामी महीनों में होने वाले दलबदल और गठबंधन के नए समीकरण ही यह तय करेंगे कि पंजाब की कमान किसके हाथ में होगी, लेकिन फिलहाल के लिए इतना जरूर कहा जा सकता है कि आम आदमी पार्टी का किला भीतर से दरक रहा है और इसकी गूंज दिल्ली से लेकर चंडीगढ़ तक साफ सुनी जा सकती है।

जहां अन्न के लिए स्वयं महादेव ने फैलाया हाथ, वहां मां अन्नपूर्णा ने लिया काशी को कभी भूखा न सोने देने का संकल्प



-सुरेश गांधी

दुनिया में अनेक तीर्थ हैं, अनेक देवालय हैं और अनगिनत धार्मिक परंपराएं भी, लेकिन काशी का आध्यात्मिक वैभव अपने आप में विलक्षण है। यह वह नगरी है जहां देवाधिदेव महादेव स्वयं याचक बनकर मां अन्नपूर्णा के सम्मुख भिक्षा मांगते हैं। जहां मोक्ष के अधिपति भगवान शिव को भी जीवन के आधार अन्न की आवश्यकता होती है और जगतजननी मां पार्वती अन्नपूर्णेश्वरी के रूप में समूची सृष्टि का भरण-पोषण करती हैं। यही काशी का वह अद्भुत दर्शन है, जहां अन्न और अध्यात्म, जीवन और मोक्ष तथा वैराग्य और वैभव एक-दूसरे के पूरक बन जाते हैं। 'अन्नं ब्रह्मेति व्यजानात्' अर्थात अन्न ही ब्रह्म है। भारतीय दर्शन का यह शाश्वत उद्घोष काशी में मां अन्नपूर्णा की आराधना के रूप में साकार होता दिखाई देता है। यहां अन्न केवल उदर की क्षुधा शांत करने का साधन नहीं, बल्कि जीवन, चेतना और सृजन का आधार है। मां अन्नपूर्णा उसी अन्नतत्व की अधिष्ठात्री हैं। यही वजह है कि धनतेरस के अवसर पर जब उनके स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन होते हैं, तब काशी की आस्था में एक अलग ही उजास उतर आता है। मंदिर के कपाट खुलते हैं तो श्रद्धालुओं के लिए यह केवल देवी के दर्शन का अवसर नहीं, बल्कि अन्न, धन, दान और समृद्धि की उस सनातन परंपरा से जुड़ने का क्षण होता है, जिसकी जड़ें काशी की आध्यात्मिक चेतना में गहराई तक समाई हैं।

शिव भी समझाते हैं अन्न का महत्व

काशी की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि यहां शिव और शक्ति का संबंध केवल आराधना का विषय नहीं, बल्कि जीवन के गूढ़ दर्शन का प्रतीक है। पौराणिक मान्यता के अनुसार, एक बार भगवान शिव ने संसार को यह समझाने के लिए कि भौतिक जगत और अन्न का कोई स्थायी महत्व नहीं है, उसे माया का स्वरूप बताया। इस पर मां पार्वती ने संसार से अन्न और पोषण की शक्ति समेट ली। देखते ही देखते सृष्टि में अन्न का संकट उत्पन्न हो गया। जीव-जंतु व्याकुल हो उठे। संसार में भूख और अभाव का विस्तार होने लगा। जब स्वयं महादेव को भी इस सत्य का बोध हुआ कि अन्न के बिना सृष्टि का संचालन संभव नहीं, तब उन्होंने मां पार्वती की शरण ली। मां ने काशी में अन्नपूर्णा के रूप में प्रकट होकर अन्न का वितरण किया। भगवान शिव स्वयं भिक्षापात्र लेकर उनके सम्मुख पहुंचे। मां ने उन्हें अन्न प्रदान किया। यह प्रसंग केवल एक पौराणिक कथा नहीं, बल्कि भारतीय जीवन दर्शन का अत्यंत गहरा संदेश है कि आध्यात्मिक उन्नति के लिए भी शरीर का स्वस्थ और तृप्त होना आवश्यक है। भूखे मनुष्य के लिए पहले अन्न है, फिर अध्यात्म। मंदिर में स्थापित शिव और अन्नपूर्णा के स्वरूप इस दिव्य प्रसंग की स्मृति को जीवंत करते हैं। एक ओर महादेव भिक्षुक के रूप में हैं तो दूसरी ओर मां अन्नपूर्णा अन्न की अधिष्ठात्री बनकर जगत का पोषण कर रही हैं। यह दृश्य बताता है कि शिव के बिना शक्ति अधूरी है और शक्ति के बिना सृष्टि का अस्तित्व संभव नहीं।

धनतेरस पर स्वर्णमयी स्वरूप के दर्शन का दुर्लभ अवसर

काशी के अन्नपूर्णा मंदिर की सबसे विशिष्ट परंपराओं में मां के स्वर्णमयी विग्रह के दर्शन का विशेष महत्व है। सामान्य दिनों में मां के नियमित स्वरूप की पूजा-अर्चना होती है, लेकिन धनतेरस से अन्नकूट महोत्सव तक विशेष अवसर पर मां का स्वर्णमयी स्वरूप श्रद्धालुओं के दर्शनार्थ खुलता है। यह अवसर वर्षभर में केवल कुछ दिनों के लिए मिलता है। इसी कारण देश के विभिन्न हिस्सों से श्रद्धालु काशी पहुंचते हैं। स्वर्णमयी मां अन्नपूर्णा के दर्शन के लिए मंदिर परिसर और आसपास की गलियों में श्रद्धालुओं की लंबी कतारें लगती हैं। घंटों प्रतीक्षा के बाद जब भक्तों को मां का दिव्य स्वरूप देखने का अवसर मिलता है तो उनकी आंखों में श्रद्धा और मन में असीम संतोष झलकता है। मां के हाथों में अन्न से भरा पात्र और खप्पर का स्वरूप उनके अन्नदायिनी रूप की महत्ता को रेखांकित करता है। काशी में धनतेरस का यह आयोजन केवल धन और वैभव की कामना तक सीमित नहीं है। इसका मूल संदेश है कि जिस घर में अन्न है, वहां जीवन है और जिस समाज में भूखे को भोजन कराने की संवेदना है, वही वास्तव में समृद्ध है।

कुबेर का खजाना : मुट्ठीभर प्रसाद में समाई समृद्धि की कामना

मां अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी दर्शन के साथ ही यहां कुबेर के खजाने की परंपरा भी श्रद्धालुओं के आकर्षण का प्रमुख केंद्र रहती है। धनतेरस के अवसर पर मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना के बाद श्रद्धालुओं को खजाने के प्रसाद के रूप में धान, लावा और सिक्के वितरित किए जाते हैं। इसे मां का आशीर्वाद और कुबेर की कृपा मानकर भक्त अपने घर ले जाते हैं। मान्यता है कि इस प्रसाद को लाल कपड़े में बांधकर घर की तिजोरी अथवा पूजा स्थल पर रखने से वर्षभर अन्न और धन की कमी नहीं होती। श्रद्धालुओं के लिए इन सिक्कों का मूल्य उनकी आर्थिक कीमत से कहीं अधिक है। यह मां के प्रति उनकी आस्था, विश्वास और पारिवारिक मंगलकामना का प्रतीक है। धनतेरस की रात मंदिर में आरती की गूंज, दीपों की जगमगाहट और मां के जयकारों के बीच खजाने के प्रसाद का वितरण काशी की धार्मिक परंपरा को विशिष्ट बना देता है। यह वह अवसर है जब भक्त अपनी सामर्थ्य के अनुसार अर्पण करते हैं और मां के दरबार से आशीर्वाद लेकर लौटते हैं। यहां धन का अर्थ केवल स्वर्ण और मुद्रा नहीं, बल्कि अन्न, संतोष, उदारता और परिवार की खुशहाली भी है।

अकाल से अन्नपूर्णा के वरदान तक की मान्यता

मां अन्नपूर्णा की महिमा से जुड़ी पौराणिक मान्यताओं में अकाल और अन्न संकट का प्रसंग विशेष रूप से उल्लेखनीय है। स्कंद पुराण की काशी महात्म्य परंपरा में अन्नपूर्णा की महिमा का वर्णन मिलता है। धार्मिक आख्यानों के अनुसार, जब संसार में अन्न का अभाव हुआ और जीव-जगत भूख से व्याकुल हो उठा, तब मां अन्नपूर्णा ने अन्नदान के माध्यम से सृष्टि के पोषण का दायित्व संभाला। काशी में प्रचलित मान्यता है कि मां ने महादेव को अन्न प्रदान करते हुए यह आश्वासन दिया कि उनकी नगरी में कोई भूखा नहीं रहेगा। इसी विश्वास ने काशी को अन्नक्षेत्र की विशिष्ट पहचान दी। आज भी काशी की गलियों, मठों, मंदिरों और आश्रमों में चलने वाले भंडारे, अन्नदान और सेवा के आयोजन इसी परंपरा की जीवंत अभिव्यक्ति माने जाते हैं। यहां अन्नदान को महादान कहा गया है। क्योंकि धन का दान किसी की आवश्यकता पूरी कर सकता है, लेकिन अन्नदान सीधे जीवन को बचाता है। मां अन्नपूर्णा की आराधना का वास्तविक अर्थ भी यही है कि किसी की थाली खाली न रहे और कोई व्यक्ति भूख के कारण विवश न हो।

अन्न, लक्ष्मी और भूमि : समृद्धि के तीन आधार

काशी का अन्नपूर्णा मंदिर धार्मिक दृष्टि से एक और विशेषता समेटे हुए है। यहां मां अन्नपूर्णेश्वरी के साथ मां लक्ष्मी और मां भूमि देवी की उपस्थिति का भी विशेष महत्व है। धार्मिक मान्यता में इन तीनों शक्तियों को जीवन की समृद्धि के तीन आधारों के रूप में देखा जाता है। मां अन्नपूर्णा अन्न और पोषण की प्रतीक हैं। मां लक्ष्मी धन, वैभव और ऐश्वर्य की अधिष्ठात्री हैं, जबकि मां भूमि देवी धैर्य, आधार और स्थायित्व का बोध कराती हैं। इन तीनों शक्तियों का संयुक्त भाव यह संदेश देता है कि केवल धनवान होना समृद्धि नहीं है। वास्तविक संपन्नता तब है, जब जीवन में अन्न की उपलब्धता हो, धन का सदुपयोग हो और परिवार तथा समाज के लिए स्थायी सुख-समृद्धि का आधार भी मौजूद हो। इस दृष्टि से अन्नपूर्णा मंदिर केवल एक धार्मिक स्थल नहीं, बल्कि भारतीय जीवन पद्धति के उस दर्शन का प्रतीक है, जहां भौतिक संपन्नता और आध्यात्मिक संतोष को एक-दूसरे से अलग नहीं माना गया है।

धनतेरस से अन्नकूट तक आस्था का उत्सव

दीपावली से पहले आने वाला धनतेरस काशी में विशेष धार्मिक उल्लास लेकर आता है। सामान्य तौर पर धनतेरस को धन्वंतरि और लक्ष्मी पूजन, नए बर्तन तथा धातुओं की खरीदारी से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन काशी में इस पर्व का एक अलग आध्यात्मिक आयाम भी है। यहां मां अन्नपूर्णा के स्वर्णमयी दर्शन और कुबेर के खजाने की परंपरा इस दिन को विशिष्ट बनाती है। धनतेरस से लेकर अन्नकूट तक मंदिर में श्रद्धालुओं की आवाजाही बनी रहती है। मंदिर की घंटियों की ध्वनि, वैदिक मंत्रोच्चार, आरती और मां के जयकारे पूरे क्षेत्र को भक्तिमय बना देते हैं। अन्नकूट महोत्सव में विविध प्रकार के व्यंजनों और अन्न का भोग अर्पित करने की परंपरा भी इसी भाव को विस्तार देती है। यह आयोजन इस बात का प्रतीक है कि प्रकृति से प्राप्त अन्न के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करना और उसे सामूहिक रूप से बांटना भारतीय संस्कृति का अभिन्न हिस्सा रहा है। अन्नकूट का भाव केवल छप्पन भोग या विविध पकवानों तक सीमित नहीं है। यह उस अन्न के प्रति सम्मान का पर्व है, जो किसान के श्रम, धरती की उर्वरता, जल की उपलब्धता और प्रकृति की अनुकंपा से हमारी थाली तक पहुंचता है।

काशी की रसोई में आज भी जीवित है मां का वचन

काशी को अन्नक्षेत्र कहने के पीछे केवल धार्मिक मान्यता ही नहीं, बल्कि यहां की सामाजिक और सांस्कृतिक परंपरा भी है। मंदिरों के भंडारे, संतों की सेवा, जरूरतमंदों को भोजन कराने की परंपरा और विभिन्न संस्थाओं की अन्नसेवा इस नगरी की पहचान हैं। यहां आने वाला श्रद्धालु केवल दर्शन नहीं करता, बल्कि किसी न किसी रूप में सेवा और दान की परंपरा से भी जुड़ता है। मां अन्नपूर्णा की आराधना का संदेश आज के समय में और भी प्रासंगिक हो जाता है, जब एक ओर भोजन की बबार्दी चिंता का विषय है तो दूसरी ओर समाज का एक वर्ग अब भी पौष्टिक भोजन से वंचित है। ऐसे में मां का अन्नदायिनी स्वरूप हमें याद दिलाता है कि भोजन का सम्मान और जरूरतमंद को भोजन उपलब्ध कराना भी धर्म का महत्वपूर्ण अंग है। काशी में प्रचलित यह विश्वास कि मां के रहते उनकी नगरी में कोई भूखा नहीं रहेगा, वास्तव में समाज के सामूहिक दायित्व की ओर भी संकेत करता है। मां का आशीर्वाद तभी सार्थक है, जब उनकी संतानें एक-दूसरे की भूख और पीड़ा को समझें।

शिव और अन्नपूर्णा : जीवन और मोक्ष का अद्वैत

काशी के आध्यात्मिक चिंतन में बाबा विश्वनाथ और मां अन्नपूर्णा का संबंध अत्यंत गहरा है। बाबा विश्वनाथ जहां मोक्ष और कल्याण के अधिपति माने जाते हैं, वहीं मां अन्नपूर्णा जीवन के पोषण और भरण-पोषण की अधिष्ठात्री हैं। एक ओर शिव वैराग्य का संदेश देते हैं तो दूसरी ओर शक्ति संसार को गतिशील बनाए रखने के लिए अन्न और ऊर्जा प्रदान करती हैं। यही काशी का अद्वैत है। यहां जीवन और मृत्यु विरोधी नहीं, बल्कि एक ही श

चर्मकार क्रांति सेना के अध्यक्ष श्याम भोईर की माता ताराबाई का निधन



भिवंडी (उत्तरशक्ति)। चर्मकार क्रांति सेना के अध्यक्ष, भिवंडी नागरिक सहकारी बैंक के संचालक तथा भाजपा भिवंडी शहर के महासचिव श्याम भोईर की माताश्री ताराबाई नारायण भोईर का सोमवार को वृद्धावस्था के कारण निधन हो गया। वह 87 वर्ष की थीं। उनके निधन से परिवार में शोक की लहर है।ताराबाई भोईर अपने पीछे पुत्र श्याम भोईर, बहू एवं पूर्व नगरसेविका ज्योत्स्ना भोईर, पुत्रियां, दामाद, पोते-पोतियों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गई हैं। उनका अंतिम संस्कार मंगलवार को किया गया। इस दुखद अवसर पर सामाजिक, राजनीतिक और विभिन्न क्षेत्रों के कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे और दिवंगत ताराबाई भोईर को श्रद्धांजलि अर्पित कर शोक संतप्त परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की।

वाढवण बंदर विरोधी आंदोलन जारी, कैप्टन सत्यम ठाकुर ने की आंदोलनकारियों से मुलाकात, समुद्र के पानी से बाहर आए आंदोलनकारी



पालघर (उत्तरशक्ति)। जिले के वाढवण बंदर परियोजना के विरोध में चल रहा आंदोलन लगातार जारी है। आंदोलन के दौरान समुद्र के पानी में उतरकर विरोध जता रहे आंदोलनकारियों से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के पालघर जिलाध्यक्ष कैप्टन सत्यम ठाकुर ने आंदोलन स्थल पर पहुंचकर मुलाकात की और उनसे संवाद किया। इस दौरान कैप्टन सत्यम ठाकुर ने आंदोलनकारियों से मौजूदा परिस्थितियों को देखते हुए समुद्र के पानी में चल रही विरोध प्रदर्शन की इस कार्रवाई को रोकने और सभी से सुरक्षित बाहर आने की अपील की। उन्होंने कहा कि वाढवण का यह संघर्ष संवैधानिक और लोकतांत्रिक तरीके से लड़ा जायेगा और इस लड़ाई में निश्चित रूप से जीत हासिल होगी। उन्होंने कहा कि अपनी मिट्टी, अपने गांव और आने वाली पीढ़ियों के भविष्य की रक्षा के लिए यह संघर्ष जारी रहेगा। इसके बाद विधायक विनोद निकोले भी आंदोलन स्थल पर पहुंचे और आंदोलनकारियों के बीच अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। फिलहाल समुद्र के पानी में उतरे सभी आंदोलनकारी बाहर आ चुके हैं, लेकिन वाढवण बंदर परियोजना के विरोध में आंदोलन अभी भी जारी है।कैप्टन सत्यम ठाकुर ने स्पष्ट किया कि यह लड़ाई केवल वर्तमान की नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के भविष्य और क्षेत्र की अस्मिता से जुड़ी हुई है। उन्होंने आंदोलन को लोकतांत्रिक एवं संवैधानिक तरीके से आगे बढ़ाने का संकल्प दोहराया।

स्वच्छ एवं हरित विद्यालय मानांकन में पालघर जिले की उल्लेखनीय उपलब्धि



पालघर(उत्तरशक्ति)। विद्यार्थियों को स्वच्छ, सुरक्षित, स्वस्थ और पर्यावरण अनुकूल शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने के उद्देश्य से चलाए जा रहे स्वच्छ एवं हरित विद्यालय मानांकन 2026-27 अभियान में पालघर जिले ने उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है। जिले की कुल 3,137 स्कूलों का स्व-मूल्यांकन पूरा हो चुका है। वहीं, स्व-मूल्यांकन में 5 स्टार प्राप्त करने वाले 118 विद्यालयों का बाह्य मूल्यांकन भी 30 अक्टूबर 2026 को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया। इस अभियान के माध्यम से स्कूलों में स्वच्छता संबंधी सुविधाओं, उनके नियमित उपयोग, रखरखाव और पर्यावरण संरक्षण के लिए संचालित गतिविधियों की वास्तविक स्थिति का आकलन किया जा रहा है। जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, प्राथमिक शिक्षा अधिकारी सोनाली मातेकर तथा माध्यमिक शिक्षा अधिकारी अशोक पाटील के मार्गदर्शन में जिलेभर में इस अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया गया। जिले की 3,137 स्कूलों द्वारा किये गये स्व-मूल्यांकन में स्टार के अनुसार विद्यालयों की स्थिति इस प्रकार रही। 1 स्टार प्राप्त करने वाले 20 विद्यालय, 2 स्टार प्राप्त करने वाले 108 विद्यालय, 3 स्टार प्राप्त करने वाले 1,492 विद्यालय, 4 स्टार प्राप्त करने वाले 1,399 विद्यालय और 5 स्टार प्राप्त करने वाले 118 विद्यालय शामिल हैं। बाह्य मूल्यांकन की प्रक्रिया पारदर्शी, सटीक और एकसमान तरीके से पूरी करने के लिए 29 अक्टूबर 2026 को परीक्षकों के लिए विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया गया था। इसमें मूल्यांकन की कार्यप्रणाली, स्कूलों में उपलब्ध सुविधाओं का प्रत्यक्ष निरीक्षण तथा केंद्र सरकार के रल्श्फपोर्टल पर मूल्यांकन संबंधी जानकारी दर्ज करने के बारे में मार्गदर्शन दिया गया। इस प्रक्रिया में विस्तार अधिकारी, केंद्र प्रमुख, विषय साधन व्यक्ति और समावेशित शिक्षा विभाग के कर्मचारियों ने परीक्षक के रूप में भाग लिया। परीक्षकों ने संबंधित विद्यालयों का दौरा कर स्व-मूल्यांकन में दर्ज जानकारी की वास्तविक स्थिति का सत्यापन किया। बाह्य मूल्यांकन के दौरान विद्यालयों में छह प्रमुख बिंदुओं की जांच की गई। इनमें विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित पेयजल की उपलब्धता, स्वच्छ एवं उपयोग योग्य शौचालय, साबुन से हाथ धोने की व्यवस्था, पानी एवं स्वच्छता सुविधाओं का नियमित रखरखाव, स्वच्छता और स्वास्थ्य संबंधी व्यवहार में बदलाव तथा मिशन LiFE के अंतर्गत पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली को बढ़ावा देने वाली गतिविधियां शामिल हैं। इस अभियान में केवल विद्यालयों में स्वच्छता सुविधाओं की उपलब्धता को ही आधार नहीं बनाया गया, बल्कि इन सुविधाओं का नियमित उपयोग, उचित रखरखाव और विद्यार्थियों में स्वच्छता की आदतों का विकास भी मूल्यांकन का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा।

मीरा-भायंदर में मेट्रो-09 का काम अंतिम चरण में, दिसंबर 2026 तक सेवा शुरू होने की उम्मीद

मैक्सस मॉल से काशीगांव मेट्रो स्टेशन तक मार्ग का निरीक्षण; विधायक नरेंद्र मेहता, महापौर डिंपल मेहता और मनपा आयुक्त राधाबिनोद शर्मा सहित वरिष्ठ अधिकारी रहे मौजूद

मीरा-भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा-भायंदर शहर की बुनियादी सुविधाओं और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को नई दिशा देने वाली मेट्रो-09 परियोजना का काम तेजी से आगे बढ़ रहा है।

परियोजना की वास्तविक प्रगति का जायजा लेने के लिए आज मैक्सस मॉल मेट्रो स्टेशन से काशीगांव मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो मार्ग का निरीक्षण किया गया। इस दौरान संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की स्थिति की जानकारी लेकर शेष कार्यों को निर्धारित समय में पूरा करने के निर्देश दिए गए। प्राप्त जानकारी के अनुसार, गायमुख से काशीगांव तथा नेताजी सुभाषचंद्र बोस मेट्रो स्टेशन तक मेट्रो मार्ग और स्टेशनों के अधिकांश कार्य पूरे हो चुके हैं। दिसंबर 2026 तक मेट्रो सेवा शुरू होने की उम्मीद जताई जा रही है। हालांकि, सेवा शुरू होने की वास्तविक तारीख शेष कार्यों और आवश्यक प्रक्रियाओं के पूरा होने पर निर्भर करेगी।

वरिष्ठ जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों ने लिया जायजा निरीक्षण के दौरान विधायक नरेंद्र मेहता, महापौर डिंपल विनोद मेहता, उपमहापौर ध्रुवकिशोर पाटील, महानगरपालिका आयुक्त राधाबिनोद शर्मा, स्थायी समिति सभापति हसमुख गहलोत, एमएमआरडीए की अधिकारी योजना पाटील, शहर अभियंता दीपक खांबित, नगरसेवक भगवती शर्मा सहित संबंधित अधिकारी और पदाधिकारी उपस्थित रहे। इस अवसर पर मेट्रो परियोजना



के विभिन्न कार्यों की समीक्षा की गई। अधिकारियों से निर्माण कार्यों की वर्तमान स्थिति, शेष कार्यों और परियोजना को समय पर पूरा करने के लिए उठाए जा रहे कदमों की जानकारी ली गई। मेट्रो सेवा जल्द शुरू करने के उद्देश्य से संबंधित अधिकारियों के साथ चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए गए।

मेट्रो शुरू होने से यात्रियों को मिलेगी बड़ी राहत मीरा-भायंदर में मेट्रो सेवा शुरू होने से यात्रियों के यात्रा समय में कमी आने और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था अधिक सुविधाजनक होने की उम्मीद है। इसके साथ ही सड़क यातायात पर दबाव कम करने तथा शहर के विभिन्न हिस्सों के बीच आवागमन को सुगम बनाने में भी इस परियोजना की महत्वपूर्ण भूमिका हो सकती है।

मेट्रो-09 परियोजना को शहर के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण बताते हुए इसके शेष कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने पर जोर दिया गया। अब नागरिकों की नजर दिसंबर 2026 तक मेट्रो सेवा शुरू होने की संभावित समयसीमा पर टिकी है।

श्रमदान से वनराई बंधारा निर्माण, जल संरक्षण को मिला बढ़ावा



मुंबई (उत्तरशक्ति)। रायगढ़ जिले के पोलादपुर तालुका स्थित अडावळे खुर्द में कामथी नदी पर जय हनुमान सेवा मंडल, अडावळे खुर्द, एरंडवाडी और मुरा के ग्रामीणों तथा मुंबईकरों ने श्रमदान के माध्यम से वनराई बंधारे का निर्माण किया। इस पहल के जरिए ग्रामीणों ने जल संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया है। पालकमंत्री भरतशेठ गोगावले के सहयोग से इस उपक्रम को पूरा किया गया। बंधारे के निर्माण के लिए आवश्यक बोरियां और जेसीबी मशीन उपलब्ध कराई गई। बारिश के पानी को बहकर जाने से रोकना, उसे जमीन में मुराना, भूजल स्तर बढ़ाना और भविष्य में पानी की किल्लत की समस्या को कम करना इस उपक्रम का मुख्य उद्देश्य है। वनराई बंधारे के निर्माण से क्षेत्र के स्थानीय जलस्रोतों के संरक्षण में मदद मिलने की उम्मीद है। ग्रामीणों, मंडल के सदस्यों और मुंबईकरों ने एकजुट होकर श्रमदान किया।

इस सामूहिक पहल के माध्यम से पानी रोको, पानी जमीन में उतारो का संदेश दिया गया। साथ ही, जल संरक्षण के लिए जनभागीदारी और सामूहिक प्रयासों के महत्व को भी रेखांकित किया गया।

संकट की घड़ी में देवदूत बनीं नागरी संरक्षण दल की स्वयंसेविका पूनम गुहे

सड़क हादसे में घायल परिवार की तत्काल मदद कर बचाई मासूम बच्ची की जान

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। संकट के समय किसी जरूरतमंद की मदद के लिए तत्परता दिखाना ही सच्ची मानवता है। इसका प्रेरणादायी उदाहरण नागरी संरक्षण दल (सिविल डिफेंस) की स्वयंसेविका पूनम संजय गुहे ने पेश किया। कुरगांव में हुए एक भीषण सड़क हादसे में घायल परिवार की तत्काल सहायता कर उन्होंने मानवता, साहस और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। उनके इस सराहनीय कार्य की बोईसर विभाग के विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश अनंत म्हस्के ने विशेष प्रशंसा की है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार रविवार 1 नवंबर 2026 को उक्त्रऋ कॉलोनी में रहने वाले रमेश पसाने अपनी पत्नी से मिलने ळअढर कॉलोनी स्थित अस्पताल गये थे। इसके बाद वे अपने दो बच्चों और



पिता के साथ दोपहिया वाहन से घर लौट रहे थे। इसी दौरान कुरगांव में उनकी बाइक का गंभीर हादसा हो गया। दुर्घटना में बाइक पर सवार चारों लोग गंभीर रूप से घायल हो गये। हादसे की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सात वर्षीय मासूम बच्ची बाइक के नीचे फंस गई थी। इसी दौरान घटनास्थल के पास एक दुकान पर अपने परिवार के साथ मौजूद नागरिक सुरक्षा दल की स्वयंसेविका पूनम संजय गुहे की नजर दुर्घटना पर पड़ी। उन्होंने बिना समय गंवाये घटनास्थल पर पहुंचकर स्थानीय नागरिकों की मदद से बाइक के नीचे फंसी बच्ची को सुरक्षित बाहर निकाला और उसे ढांढस बंधाया। हादसे के गहरे सदमे के कारण बच्ची कुछ समय तक हिलने-डुलने की स्थिति में नहीं थी। कुछ देर बाद उसकी स्थिति स्थिर होने पर पूनम गुहे ने स्थानीय नागरिकों की सहायता से उसे ऑटो रिक्शा द्वारा TAPS स्थित अस्पताल पहुंचाया। घायलों की चोटों की गंभीरता को देखते हुए अस्पताल के डॉक्टरों ने आगे के उपचार के लिए अधिकारी लाइफ लाइन अस्पताल में स्थानांतरित करने की सलाह दी। नागरी संरक्षण दल में प्राप्त प्रशिक्षण का वास्तविक परिस्थिति में प्रभावी उपयोग करते हुए पूनम गुहे ने जिस तत्परता और साहस के साथ दुर्घटनाग्रस्त परिवार की मदद की, वह समाज के लिए प्रेरणादायी है। विशेष रूप से सात वर्षीय बच्ची को सुरक्षित बाहर निकालकर समय पर अस्पताल पहुंचाने में उनकी भूमिका सराहनीय रही। उनके इस मानवीय और साहसिक कार्य की बोईसर विभाग के विभागीय क्षेत्ररक्षक नरेश अनंत म्हस्के ने विशेष सराहना की। उन्होंने आपातकालीन परिस्थितियों में नागरिक सुरक्षा दल के प्रशिक्षण और स्वयंसेवकों की तत्परता के महत्व को रेखांकित किया। पूनम संजय गुहे के इस सेवाभावी कार्य से नागरिक सुरक्षा दल की प्रतिष्ठा बढ़ी है। उनकी संवेदनशीलता, साहस और निस्वार्थ सेवा भावना की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

हिंदू राष्ट्र सेवा संघ ने की प्रदूषण मुक्त दिवाली मनाने की अपील

मुंबई (उत्तरशक्ति)। दीपों का पर्व दीपावली आ चुकी है। ऐसे में नागरिकों से प्रदूषण मुक्त और पर्यावरण अनुकूल दिवाली मनाने की अपील हिंदू राष्ट्र सेवा संघ महाराष्ट्र के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के ने की है। सोनटक्के के अनुसार पटाखों से होने वाला ध्वनि और वायु प्रदूषण मनुष्यों के साथ पशु-पक्षियों और पेड़-पौधों के लिए भी हानिकारक है। जैसा कि सर्वविदित हो कि हर वर्ष दीवाली में आतिशबाजी के कारण मुंबई में प्रदूषण का ग्राफ बढ़ जाता है। इसके अलावा पशु पक्षियों और बेजुबान प्राणियों को आतिशबाजी के कारण काफी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिसके कारण हिंदू राष्ट्र



सेवा संघ महाराष्ट्र प्रदेश के अध्यक्ष राजा भाऊ सोनटक्के की ओर से इस बार दीपावाली का त्योहार प्रदूषण मुक्त मनाने की अपील की गई है। सोनटक्के ने निर्धारित मानकों से अधिक आवाज वाले और हानिकारक तत्वों से बने पटाखों पर प्रतिबंध संबंधी निदेर्शों का पालन करने को कहा है। इसके साथ ही न्यायालय के निदेर्शों के अनुसार, पटाखे केवल शाम 7 से रात 10 बजे तक जलाए जाने चाहिए। नियमों का पालन सुनिश्चित करने की जिम्मेदारी पुलिस और मनपा अधिकारियों को सौंपी गई है। सोनटक्के ने शैक्षणिक संस्थानों से भी विद्यार्थियों में जागरूकता पैदा करने की अपील की है। उन्होंने यह भी कहा कि पटाखों के प्रदूषण से सांस संबंधी समस्याएं बढ़ सकती हैं। इसके अलावा अस्थमा से पीड़ित मरीजों को काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।सोनटक्के ने नागरिकों को सुरक्षित स्वच्छ और हरित दीवाली की शुभकामनाएं दी है। इसके अलावा उन्होंने नकली मिठाइयों से सावधान रहने के लिए आगाह किया है।

भिवंडी इस्कॉन मंदिर में कार्तिक मास दीपदान महोत्सव, श्रद्धालुओं का उमड़ रहा उत्साह

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। कार्तिक मास के आध्यात्मिक महत्व को ध्यान में रखते हुए भिवंडी स्थित श्री श्री राधा माधव इस्कॉन मंदिर में भव्य कार्तिक मास दीपदान महोत्सव का आयोजन किया गया है। 26 अक्टूबर से 24 नवंबर तक चलने वाले इस महोत्सव में प्रतिदिन शाम 7:30 बजे से रात 9 बजे तक दीपदान सेवा आयोजित की जा रही है। इस धार्मिक आयोजन को श्रद्धालुओं का उत्स्फूर्त प्रतिसाद मिल रहा है। हिंदू धर्मशास्त्रों में कार्तिक मास को अत्यंत पवित्र और पुण्यदायी माना गया है। इस महीने भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में दीप अर्पित करने का विशेष आध्यात्मिक महत्व बताया गया है। श्री स्कंद पुराण में भी दीपदान की महिमा का वर्णन किया गया है। धार्मिक मान्यता के अनुसार,



कार्तिक मास में श्रद्धापूर्वक दीपदान करने से मनुष्य के जन्म-जन्मांतर के संचित पापों का नाश होता है और आध्यात्मिक उन्नति का मार्ग प्रशस्त होता है। भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में दीप अर्पित करने का अवसर भिवंडी के श्री श्री राधा माधव इस्कॉन मंदिर में आयोजित इस महोत्सव के माध्यम से श्रद्धालुओं को प्रत्यक्ष रूप से दीपदान सेवा करने और भगवान श्रीकृष्ण के प्रति अपनी भक्ति व्यक्त करने का अवसर मिल रहा है। मंदिर में प्रतिदिन आयोजित होने वाली दीपदान सेवा में भक्तजन श्रद्धा और भक्तिभाव के साथ शामिल हो रहे हैं। इस धार्मिक आयोजन के माध्यम से कार्तिक मास की आध्यात्मिक परंपरा को बढ़ावा दिया जा रहा है। परिवार सहित दीपदान में शामिल होने की अपील इस्कॉन भिवंडी की ओर से नागरिकों से अपील की गई है कि वे अपने परिवार के साथ इस पवित्र दीपदान महोत्सव में सहभागी बनें। भगवान श्रीकृष्ण के चरणों में दीप अर्पित कर आध्यात्मिक आनंद और भक्तिभाव का अनुभव करें। मंदिर प्रशासन ने अधिक से अधिक श्रद्धालुओं से इस धार्मिक आयोजन में शामिल होकर कार्तिक मास की पवित्र परंपरा का लाभ लेने का आह्वान किया है।

बीड बसस्थानक की बदहाल सुविधाओं पर परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक नाराज, अधिकारियों को तत्काल सुधार के निर्देश

- शौचालय, चालक वाहक विश्रामगृह, उपाहारगृह और पेयजल व्यवस्था का किया निरीक्षण; प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन पर शुरू किए गए नि:शुल्क वाचनालय को तत्काल शुरू करने के आदेश

बीड (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र के परिवहन मंत्री प्रताप सरनाईक ने 3 नवंबर 2026 को बीड मध्यवर्ती बसस्थानक का दौरा कर वहां उपलब्ध विभिन्न सुविधाओं का निरीक्षण किया। इस दौरान बसस्थानक में शौचालयों, चालक-वाहक विश्रामगृह, उपाहारगृह और पेयजल व्यवस्था में कमियां सामने आने पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों के प्रति नाराजगी व्यक्त की और सभी खामियों को तत्काल दूर करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान महाराष्ट्र राज्य सड़क परिवहन महामंडल (एसटी महामंडल) के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। मंत्री सरनाईक ने बसस्थानक की व्यवस्थाओं का



जायजा लेते हुए स्पष्ट किया कि यात्रियों को स्वच्छ, सुरक्षित और गुणवत्तापूर्ण सुविधाएं उपलब्ध कराना एसटी महामंडल की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बसस्थानक पर आने वाले प्रत्येक यात्री को बेहतर अनुभव मिलना चाहिए। साथ ही, चालक और वाहकों को भी आवश्यक विश्राम सुविधाएं उपलब्ध कराई जानी चाहिए। वाचनालय की बदहाली पर जताई नाराजगी निरीक्षण के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 75वें जन्मदिन के अवसर पर शुरू किए गए निःशुल्क वाचनालय की खराब स्थिति देखकर परिवहन मंत्री ने असंतोष व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि वाचनालय की ऐसी स्थिति उचित नहीं है। संबंधित अधिकारियों को इसे तत्काल शुरू करने और यात्रियों के साथ आम नागरिकों को भी पढ़ने की सुविधा उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। सुविधाएं कागजों तक सीमित न रहें मंत्री प्रताप सरनाईक ने अधिकारियों को निर्देश दिया कि बसस्थानक में उपलब्ध सुविधाएं केवल कागजों पर नहीं, बल्कि वास्तव में यात्रियों के उपयोग के लिए बेहतर स्थिति में होनी चाहिए। इसके लिए नियमित रखरखाव, साफ-सफाई और सुविधाओं की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को व्यवस्थाओं की नियमित निगरानी करने तथा यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न हो, यह सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मंत्री ने स्पष्ट संदेश दिया कि सार्वजनिक परिवहन सेवाओं में यात्रियों की सुविधा और स्वच्छता से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाना चाहिए।

दिवाली पर महिला उद्यमी के गोदाम पर डेवलपर का कब्जा, 30 लाख की मशीनें बाहर फेंकीं

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। दिवाली के मौके पर महिला उद्यमी के साथ अन्याय का मामला सामने आया है। चिवड़ा और वेफर्स का व्यवसाय करने वाली महिला उद्यमी सुप्रिया बामणे के गोदाम में रखी मशीनों को कथित तौर पर बाहर फेंककर डेवलपर ने गोदाम पर कब्जा कर लिया। इस घटना से महिला उद्यमी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है। पीड़िता ने न्याय की मांग करते हुए पडघा पुलिस स्टेशन में शिकायत दर्ज कराई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, सुप्रिया बामणे चिवड़ा, वेफर्स और नमकीन उत्पाद बनाने का व्यवसाय करती हैं। व्यवसाय के विस्तार के लिए उन्होंने वर्ष 2022 में तालुका के मौजे लोनाड में विकास सिंह की वी. ए. डेवलपर्स से गोदाम खरीदने का समझौता किया था। इस समझौते के तहत कुल 2 करोड़ 56 लाख 68 हजार रुपये में भूतल सहित दो मंजिला इमारत का निर्माण कर देने का तय हुआ था। इस सौदे के तहत सुप्रिया बामणे ने



डेवलपर को 1 करोड़ 51 लाख 71 हजार रुपये का भुगतान किया। हालांकि, 50 प्रतिशत से अधिक रकम देने के बावजूद निर्माण कार्य पूरा नहीं हुआ। लगातार तकाजा करने के बाद डेवलपर विकास सिंह ने 23 सितंबर 2024 को गोदाम के भूतल का कब्जा सुप्रिया बामणे को दिया। इसके बाद महिला उद्यमी ने गोदाम में करीब 30 लाख रुपये कीमत की मशीनरी और अन्य उपकरण रखे। लेकिन कुछ समय बाद डेवलपर ने शेष रकम की मांग करते हुए उन्हें परेशान करना शुरू कर दिया। निर्माण कार्य अधूरा होने के कारण सुप्रिया बामणे ने बाकी रकम देने से इनकार किया। आरोप है कि इसके बाद डेवलपर ने गोदाम की बिजली आपूर्ति बंद कर दी। महिला उद्यमी का आरोप है कि दिवाली के दौरान डेवलपर विकास सिंह ने गोदाम में रखी सभी मशीनों और उपकरणों को बाहर फेंक दिया तथा जबरन गोदाम पर कब्जा कर लिया। इस घटना से उनका व्यवसाय प्रभावित हुआ है और उन्हें भारी आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। सुप्रिया बामणे ने कहा कि डेवलपर द्वारा उनके साथ धोखाधड़ी किए जाने से परिवार के सामने गंभीर आर्थिक संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने पुलिस से शिकायत करने के बावजूद न्याय नहीं मिलने पर नाराजगी व्यक्त की है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com



स्वामीः शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालयः मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

बदलापुर पुलिस ने 25 हजार के इनामी गैंगस्टर को किया गिरफ्तार, हत्या समेत तीन मुकदमे दर्ज

सिंगरामऊ थाने में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में था वांछित

बदलापुर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बदलापुर पुलिस ने सिंगरामऊ थाने में दर्ज गैंगस्टर एक्ट के मुकदमे में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने सोमवार को फत्तूपुर मोड़ के पास पूरामुकुन्द हाईवे से आरोपी को गिरफ्तार किया। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय के समक्ष पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।



पुलिस के अनुसार, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह के निर्देशन में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में थानाध्यक्ष फूलचंद्र पांडेय के नेतृत्व में पुलिस टीम वांछित आरोपियों की तलाश कर रही थी। सोमवार, 2 नवंबर को दोपहर करीब 2:25 बजे पुलिस ने घनश्याम पांडेय पुत्र जयप्रकाश पांडेय निवासी जगदीशपुर, थाना सिंगरामऊ को गिरफ्तार कर लिया।

पुलिस के मुताबिक, गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ सिंगरामऊ थाने में गैंगस्टर एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज है। इसके अलावा वर्ष 2024 में हत्या, आपराधिक षड्यंत्र और धमकी से संबंधित तथा वर्ष 2020 में मारपीट समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज है।

गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष फूलचंद्र पांडेय, हेड कांस्टेबल विजय दुबे, कांस्टेबल घनश्याम और महिला कांस्टेबल श्वेता पांडेय शामिल रहीं। पुलिस ने सोमवार शाम करीब 5 बजे प्रेस विज्ञप्ति जारी कर गिरफ्तारी की जानकारी दी।

छोटे भाई की शादी में आए बड़े भाई की दर्दनाक मौत, रेलवे ट्रैक किनारे मिला शव

द्वारचार के बाद अचानक हुए थे लापता, रातभर तलाश करते रहे परिजन; शादी की खुशियां मातम में बदलीं

प्रियेश गुप्ता रुद्रा



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। छोटे भाई की शादी में शामिल होने आए 40 वर्षीय राकेश कुमार गौतम की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। सोमवार सुबह उनका शव बक्शा थाना क्षेत्र के उचौरा गांव के पास रेलवे ट्रैक किनारे मिला। घटना से शादी की खुशियां मातम में बदल गईं। जानकारी के अनुसार, बदलापुर थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी राकेश कुमार गौतम पुत्र राम अजोर गौतम अपने छोटे भाई की शादी में शामिल होने मझौली गांव आए थे। रविवार रात द्वारचार की रस्म के बाद वह अचानक लापता हो गए। परिजनों और रिश्तेदारों ने रातभर उनकी तलाश की, लेकिन कोई पता नहीं चला। सोमवार सुबह रेलवे ट्रैक किनारे शव मिलने की सूचना पर परिजन मौके पर पहुंचे और पहचान की। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। राकेश की मौत किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता नहीं चल सका है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

शाहगंज पुलिस ने पॉक्सो एक्ट के मामले में वारंटी को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शाहगंज कोतवाली पुलिस ने पॉक्सो एक्ट समेत विभिन्न धाराओं में दर्ज मुकदमे के एक वारंटी आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मंगलवार, 3 नवंबर 2026 को आरोपी को उसके घर से गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान नवरतन सैनी पुत्र पिंटू माली निवासी काली चौरा मंदिर, थाना शाहगंज, जनपद जौनपुर के रूप में हुई है। उसके खिलाफ शाहगंज थाने में मुकदमा संख्या 111/2021 के तहत धारा 354, 354ए, 354डी भादवि और 7/8 पॉक्सो एक्ट में मामला दर्ज है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक जौनपुर के निर्देश पर अपराधियों और वारंटियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। पुलिस ने आवश्यक विधिक कार्रवाई पूरी कर आरोपी को संबंधित न्यायालय भेजने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।



एसएसपी ने पुलिस कार्यालय में की जनसुनवाई, फरियादियों की शिकायतों के त्वरित निस्तारण के दिए निर्देश

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ. यशवीर सिंह ने मंगलवार को पुलिस कार्यालय में जनसुनवाई कर जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए फरियादियों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं थाना प्रभारियों को शिकायतों का निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। एसएसपी ने स्पष्ट किया कि जनशिकायतों के निस्तारण में किसी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पीड़ितों को प्राथमिकता के आधार पर न्यायोचित सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा प्रत्येक शिकायत का गुणवत्तापूर्ण समाधान सुनिश्चित किया जाए।



मछलीशहर बस स्टॉप पर डिपो विभाग ने चलाया हंटर

नियमों की अनदेखी पर चालकों-परिचालकों की कटी सैलरी, अवैध दुकानें और गाड़ियां हटाईं

अरशद अली

मछलीशहर,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मछलीशहर बस स्टॉप पर नियमों की धज्जियां उड़ाने वाले वाहन चालकों, परिचालकों और अवैध कब्जाधारियों के खिलाफ डिपो विभाग ने सख्त रुख अपनाया । विभाग द्वारा औचक और बड़ी कार्रवाई से बस स्टॉप परिसर में हड़कंप मच गया।

नियमों की अनदेखी करने और लापरवाही बरतने के आरोप में डिपो विभाग द्वारा कई वाहन चालकों और परिचालकों के खिलाफ कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है, जिसके तहत उनके वेतन/मानदेय में भारी कटौती भी की गई है। इसके साथ ही बस स्टॉप परिसर को व्यवस्थित करने के लिए विभाग ने परिसर में लंबे समय से अवैध रूप से खड़ी कई गाड़ियों को अंतिम चेतावनी देते हुए स्टैंड से बाहर का रास्ता दिखाया और पूरे परिसर को खाली कराया गया।

इस कार्रवाई के दौरान डिपो विभाग के अधिकारियों ने एक और बड़ा खुलासा किया। अधिकारी ने बताया कि बिजली विभाग द्वारा बकाया या अन्य कारणों से मछलीशहर बस स्टॉप का विद्युत कनेक्शन काट दिया गया है, जिससे विभाग को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है।



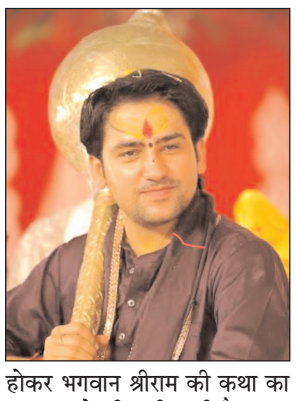
परिसर की सुरक्षा और यात्रियों की सुविधा को देखते हुए विभाग ने अतिक्रमणकारियों पर भी शिकंजा कसा है। बस स्टॉप परिसर में अवैध रूप से संचालित हो रही दुकानों को विभाग द्वारा आधिकारिक सूचना (नोटिस) जारी कर दी गई है और जल्द से जल्द परिसर खाली करने की सख्त हिदायत दी गई है।

इस कार्रवाई में शामिल रही टीम ने पूरे अभियान और सुरक्षा व्यवस्था को मुस्तैदी से अंजाम देने में सिविल लाइन डिपो के लिपिक दलजीत सिंह यादव, जौनपुर डिपो के कार्मिक राम प्रकाश यादव और जौनपुर डिपो के सुरक्षा व्यवस्था प्रभारी राज कुमार मुख्य रूप से शामिल रहे। अधिकारियों का कहना है कि नियमों का उल्लंघन किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और यह अभियान आगे भी जारी रहेगा।

कुंडा में राजा भैया के राजभवन पर धीरेंद्र शास्त्री की भव्य श्रीराम कथा

प्रतापगढ़ (उत्तरशक्ति)। जनसत्ता दल लोकतांत्रिक के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व कैबिनेट मंत्री कुंवर रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भैया द्वारा कुंडा स्थित राजभवन, बेंती में प्रख्यात कथावाचक धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री महाराज की भव्य श्रीराम कथा का आयोजन किया जा रहा है। 17 से 20 नवंबर तक आयोजित होने वाली इस कथा में प्रतिदिन दोपहर 2 बजे से शाम 6 बजे तक श्रद्धालु श्रीराम कथा का श्रवण कर सकेंगे।

श्रीराम कथा के आयोजन को लेकर क्षेत्र में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। जनसत्ता दल के प्रखर सनातनी नीतीश पाण्डेय राज ने श्रद्धालुओं एवं धर्मप्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में कथा में शामिल होकर भगवान श्रीराम की कथा का लाभ उठाने की अपील की है।



आयोजन की तैयारियों में बृजराज प्रताप सिंह (बड़े राजा), शिवराज प्रताप सिंह (छोटे राजा) के साथ विधायक विनोद सरोज, विधान परिषद सदस्य कुंवर अक्षय प्रताप सिंह गोपाल जी, शीतला सिंह(बच्चा सिंह), इंसाफ बहादुर सिंह, योगेंद्र सिंह, अमित सिंह, रविंद्र मौर्य, शैलेंद्र शुक्ला, मगेश सिंह, विवेक सिंह, गौरव सिंह समेत अनेक विशिष्ट लोग जुटे हुए हैं।

आयोजकों के अनुसार, श्रीराम कथा के माध्यम से श्रद्धालुओं को भगवान श्रीराम के आदर्शों, मयार्दा और धर्म के संदेश से जुड़ने का अवसर मिलेगा। आयोजन को भव्य एवं सुव्यवस्थित बनाने के लिए तैयारियां की जा रही हैं।

सांसद विद्यासागर सोनकर ने आत्मीयता के साथ मनाया डॉ.सुनील का जन्मदिन

अंगवस्त्रम भेंटकर मिठाई खिलाई, कहा-सामाजिक सरोकारों से जुड़े लोगों का सम्मान समाज की जीवंत परंपरा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग के असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. सुनील कुमार का जन्मदिन राज्यसभा सदस्य (सांसद) विद्यासागर सोनकर ने आत्मीयता और स्नेहिल वातावरण में मनाया। इस अवसर पर उन्होंने डॉ. सुनील कुमार को अंगवस्त्रम भेंटकर सम्मानित किया और स्वयं मिठाई खिलाकर जन्मदिन की बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उनके इस आत्मीय व्यवहार ने समारोह को औपचारिकता से आगे बढ़ाकर स्नेह और अपनत्व का यादगार क्षण बना दिया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी के कई पदाधिकारी एवं विश्वविद्यालय के अनेक प्रोफेसर उपस्थित रहे।



इस अवसर पर डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि नेता तो अनेक होते हैं, लेकिन जननेता और जनप्रिय व्यक्तित्व विरले ही होते हैं। आदरणीय विद्यासागर सोनकर ऐसे ही व्यक्तित्व के धनी हैं, जिनकी लोकप्रियता का आधार उनका पद नहीं, बल्कि लोगों के प्रति उनका सहज स्नेह, आत्मीयता और व्यवहार कुशलता है। ईश्वर ने उन्हें विलक्षण स्मरण शक्ति प्रदान की है। दस वर्ष पहले मिले व्यक्ति को भी वे आज नाम लेकर पुकारते हैं। यह केवल स्मरण शक्ति नहीं, बल्कि लोगों को महत्व देने और रिश्तों को सहेजकर रखने की उनकी अद्भुत मानवीय क्षमता है।

उन्होंने कहा कि विद्यासागर सोनकर की राजनीतिक और सामाजिक उपलब्धियों की जितनी चर्चा की जाए, उससे कहीं अधिक उल्लेखनीय उनके हृदय में संचित लोगों के प्रति स्नेह और सम्मान है। वे बड़े-छोटे, जाति-पाति और सामाजिक भेदभाव की सीमाओं से ऊपर उठकर मानवीय संबंधों को प्राथमिकता देते हैं। उनका व्यक्तित्व मानवतावादी सोच, सहज उपलब्धता और आत्मीय संवाद का उदाहरण है। यही कारण है कि वे समाज के विभिन्न वर्गों में समान रूप से लोकप्रिय हैं।

डॉ. सुनील कुमार ने कहा कि पार्टी द्वारा उन्हें दो बार उच्च सदन में प्रतिनिधित्व का अवसर दिया जाना उनके राजनीतिक व्यक्तित्व और स्वीकार्यता का प्रमाण है। पहली बार उत्तर प्रदेश विधान परिषद और दूसरी बार राज्यसभा के लिए मनोनयन उनकी सार्वजनिक जीवन की यात्रा में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। इन उपलब्धियों के पीछे उनकी वर्षों की सामाजिक सक्रियता, व्यवहार कुशलता और लोगों से सहजता के साथ जुड़ने की क्षमता रही है। वे बिना किसी दिखावे के लोगों के बीच पहुंचते हैं और आत्मीयता से संवाद करते हैं। यही गुण किसी व्यक्ति को पदाधिकारी से जननेता और लोकप्रिय नेता से जनप्रिय व्यक्तित्व बनाते हैं। ईश्वर सरकार डॉक्टर राजितराम सोनकर, डॉ प्रदीप सोनकर, आकाश सोनकर, पंकज सोनकर, रूपेश सोनकर, मनीष सोनकर, भूरीग्राम सोनकर आदि लोग उपस्थित थे।

इस अवसर पर विश्वविद्यालय के जनसंचार एवं पत्रकारिता विभाग में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने भी केक काटकर डॉ. सुनील कुमार का जन्मदिन मनाया और उनके स्वस्थ, सुखद एवं दीर्घायु जीवन की कामना की। पूरे आयोजन में आत्मीयता, सौहार्द और उल्लास का वातावरण रहा। इस अवसर पर विवाह का अध्यक्ष मनोज मिश्र, डॉ दिग्विजय सिंह राठौर, डॉ. चंदन सिंह, आनंद सिंह, पंकज सिंह दिव्यांशु सिंह, सर्वेश सिंह, नितेश सिंह, रक्षित सिंह, सोनम विश्वकर्मा मनीष यादव आदि विद्यार्थी उपस्थित थे।

विश्वविद्यालय की हैंडबॉल टीम बीएचयू में पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय प्रतियोगिता के लिए रवाना

◆ कुलपति प्रो.राकेश कुमार सिंह ने दिखाई हरी झंडी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय की पुरुष हैंडबॉल टीम काशी हिंदू विश्वविद्यालय (बीएचयू), वाराणसी में आयोजित होने वाली पूर्वी क्षेत्र अंतर विश्वविद्यालयीय हैंडबॉल (पुरुष) प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु मंगलवार को विश्वविद्यालय परिसर से रवाना हुई।

विश्वविद्यालय परिसर में कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने खिलाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर खिलाड़ियों को संबोधित करते हुए कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक सुदृढ़ता प्रदान करते हैं, बल्कि अनुशासन, नेतृत्व क्षमता और टीम भावना का भी विकास करते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय की टीम अपनी कड़ी मेहनत के बल पर श्रेष्ठ प्रदर्शन करेगी और प्रतियोगिता जीतकर विश्वविद्यालय का गौरव बढ़ाएगी। इसके साथ ही उन्होंने सभी खिलाड़ियों को उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

टीम का नेतृत्व टीम कैप्टन कार्तिक यादव कर रहे हैं। उनके साथ टीम कोच के रूप में रंजन श्रीवास्तव एवं टीम मैनेजर के रूप में डॉ. अखिलेश गौतम गए हैं। खिलाड़ियों की रवानगी के अवसर पर प्रो. मनोज मिश्र, प्रो. प्रमोद यादव, प्रो. अविनाश पाथर्डिकर, डॉ. मनीष प्रताप सिंह, जय सिंह सहित विश्वविद्यालय के अन्य शिक्षक उपस्थित रहे।

वेलनेसकॉन-2026 में पीयू की छात्राओं का जलवा, दो ने जीते पुरस्कार

मंजूसा सिंह को द्वितीय और आतिफा हफीज को मिला तृतीय पुरस्कार

◆ अंतरराष्ट्रीय मंच पर शोध प्रतिभा का मनवाया लोहा

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। अंतरराष्ट्रीय वैज्ञानिक मंच पर वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर की छात्राओं ने अपनी शोध प्रतिभा का परचम लहराया है। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू), कानपुर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन 'वेलनेसकॉन-2026' में विश्वविद्यालय के विज्ञान संकाय के जैव प्रौद्योगिकी विभाग की दो छात्राओं ने मौखिक शोध प्रस्तुति प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए पुरस्कार हासिल किए। मंजूसा सिंह ने द्वितीय तथा आतिफा हफीज ने तृतीय स्थान प्राप्त कर विश्वविद्यालय को गौरवान्वित किया।

30 अक्टूबर से 1 नवंबर 2026 तक आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में कुल 1,158 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया। इसमें देश-विदेश के वैज्ञानिकों, शिक्षाविदों, चिकित्सकों एवं शोधकताओं ने प्रतिभाग कर स्वास्थ्य, चिकित्सा विज्ञान और जैव प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में नवीन शोध एवं वैज्ञानिक उपलब्धियों पर विचार साझा किए।



सम्मेलन के अंतर्गत आयोजित मौखिक शोध प्रस्तुति (ओरल प्रेजेंटेशन) प्रतियोगिता में कुल 98 प्रतिभागियों ने अपने शोध कार्य प्रस्तुत किए। जैव प्रौद्योगिकी श्रेणी में मंजूसा सिंह ने 'मंकी पॉक्स के विरुद्ध एंटीवायरल पेप्टाइड्स की इम्यूनोइन्फॉर्मेटिक्स आधारित स्क्रीनिंग' विषय पर शोध प्रस्तुत कर द्वितीय पुरस्कार प्राप्त किया। वहीं, आतिफा हफीज ने 'ऑटोफैजी-संबंधित लंग कैंसर में बीसीएल-2 और टीपी-53 की संभावित चिकित्सीय लक्ष्यों के रूप में पहचान' विषय पर अपना शोध प्रस्तुत कर तृतीय पुरस्कार हासिल किया।



दोनों छात्राओं का यह शोध कार्य जैव प्रौद्योगिकी विभाग के शिक्षक डॉ. मनीष कुमार गुप्ता के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। उनकी इस उपलब्धि को विभाग में संचालित गुणवत्तापूर्ण शोध गतिविधियों और विद्यार्थियों की वैज्ञानिक अभिरुचि का परिणाम माना जा रहा है।

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राकेश कुमार सिंह ने दोनों छात्राओं को इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर बधाई देते हुए कहा कि अंतरराष्ट्रीय मंच पर विद्यार्थियों की ऐसी उपलब्धियां विश्वविद्यालय की शैक्षणिक एवं शोध उत्कृष्टता को नई पहचान देती हैं। उन्होंने उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

गौराखुर्द में नियमों की अनदेखी कर जलाई जा रही पराली, प्रदूषण बढ़ने की आशंका से पर्यावरण पर मंडराया खतरा

तेजी बाजार,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। स्थानीय थाना क्षेत्र के गौराखुर्द गांव में खेतों में पराली जलाने का मामला सामने आया है। किसान धान की कटाई के बाद बचे अवशेषों (पैरा) को खेतों में ही आग लगाकर जला रहे हैं। इससे आसपास के वातावरण में धुआं फैल रहा है और वायु प्रदूषण बढ़ने की आशंका है। पराली जलाने पर रोक और प्रशासनिक दिशा-निर्देशों के बावजूद इस तरह की घटनाएं सामने आना चिंता का विषय है। स्थानीय लोगों ने संबंधित अधिकारियों से मामले का संज्ञान लेकर पराली जलाने पर रोक लगाने और किसानों को जागरूक करने की मांग की है।



हल्की बारिश में सड़क बन जाती है तालाब, हफ्तों तक भरा रहता है कीचड़ और गंदा पानी

मानीकलां में ईदगाह नहर के पास से बजरंग नगर हनुमान मंदिर से टेढ़का पुल तक एक किमी सड़क जर्जर, राहगीरों को आवागमन में परेशानी

मानीकलां, जौनपुर(उत्तरशक्ति)। शाहगंज विकास खंड के सोंधी क्षेत्र अंतर्गत मानीकलां गांव में गुरैनी-सोंगर मुख्य मार्ग के बीच से ईदगाह नहर के पास होकर मानीकलां बाजार जाने वाला पुराना मुख्य मार्ग बदहाली का शिकार है। बजरंग नगर स्थित हनुमान मंदिर से पानी की टंकी होते हुए टेढ़का पुल तक करीब एक किलोमीटर सड़क पूरी तरह जर्जर होकर गड्ढों में तब्दील हो चुकी है। हल्की बारिश होने पर सड़क पर कीचड़ और गंदा पानी कई-कई सप्ताह तक जमा रहता है।



सड़क की बदहाली के कारण स्कूली छात्र-छात्राओं, मरीजों, महिलाओं और राहगीरों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जलभराव के चलते लोगों को दूसरे लंबे रास्तों से आवागमन करना पड़ता है। वहीं, इसी मार्ग से झासेपुर, सलारपुर, अब्बोपुर, शाहापुर, खेतासराय और दीदारगंज समेत कई क्षेत्रों के लोग आते-जाते हैं। गड्ढों और कीचड़ के कारण आए दिन राहगीर गिरकर चोटिल हो रहे हैं। दोपहिया और चारपहिया वाहन चालकों को भी जोखिम उठाकर गुजरना पड़ता है।

ग्रामीणों का कहना है कि यह मार्ग लंबे समय से क्षेत्र के लोगों के आवागमन का प्रमुख रास्ता रहा है। प्रतिदिन सैकड़ों लोग इसी सड़क से बाजार और अन्य जरूरी स्थानों तक पहुंचते हैं, लेकिन सड़क की मरम्मत नहीं होने से लोगों की परेशानी लगातार बढ़ रही है।

ग्रामीण सुरेंद्र बिंद, बेलाल अहमद, जीयालाल बिंद, बिस्मिल्लाह, राजेश गुप्ता, बुतरु खां, अशोक कुमार, फकरुद्दीन, भास्कर तिवारी, रामदेव बिंद और हाफिज ललाऊ समेत क्षेत्र के सैकड़ों लोगों ने शासन-प्रशासन से सड़क की जल्द मरम्मत और निर्माण कराने की मांग की है, ताकि लोगों को जलभराव, कीचड़ और दुर्घटनाओं से राहत मिल सके।

मानीकलाँ की मिठाइयों का कभी था दूर-दूर तक जलवा, मेलों में हलवाइयों की रहती थी खास मांग

चार पीढ़ियों से इमरती बनाने की परंपरा, सोहन हलवा से लेकर जलेबी और लौंगलता तक की रही अलग पहचान

आफताब आलम

देश के कई शहरों तक पहुंचता था यहां का स्वाद

मानीकलाँ,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मिठास सिर्फ चीनी और चाशनी से नहीं बनती, बल्कि उसमें वर्षों की मेहनत, हुनर और परंपरा का स्वाद भी घुला होता है। जौनपुर जिले के शाहगंज क्षेत्र स्थित मानीकलाँ की मिठाइयों की पहचान कभी दूर-दूर तक थी। एक समय ऐसा था, जब जौनपुर से शाहगंज तक करीब 30 किलोमीटर के दायरे में लगने वाले मेलों में मानीकलाँ के हलवाइयों की खास मांग रहती थी।

सराय ख्वाजा का ऐतिहासिक भादौछठ मेला हो या आसपास के पांच-पांच कोस दूर बसे गांवों के दशहरे के मेले, मानीकलाँ के हलवाइयों के बिना रौनक अधूरी मानी जाती थी। आयोजक बाकायदा न्योता भेजकर हलवाइयों को बुलाते थे। उनकी भट्ठियां सजती थीं और लाल-पीले शामियानों के नीचे मिठाइयों की दुकानें लगती थीं।



इन मिठाइयों ने बनाई अलग पहचान: मानीकलाँ की पहचान बनाने में यहां के कई हलवाई परिवारों का योगदान रहा है। कक्कू साव की इमरती की चर्चा चार पीढ़ियों तक रही। इसकी खास बनावट और स्वाद के दीवाने आजमगढ़, सुल्तानपुर और अंबेडकर नगर तक से यहां पहुंचते थे।

वहीं रामजी की कुरकुरी जलेबी, श्यामजी का खोवा भरा लौंगलता और प्रताप हलवाई का सोहन हलवा लोगों के बीच खास पसंद रहे। दीपावली के समय सोहन हलवे की मांग इतनी रहती थी कि दिल्ली, मुंबई, कोलकाता और बेंगलुरु जैसे शहरों तक इसकी मिठास पहुंचती थी।

महेंद्र हलवाई का गाजर का हलवा भी अपने अनोखे स्वाद के लिए जाना जाता था। इसके साथ मिलने वाली नमकीन का मेल लोगों को खूब पसंद आता था। बुद्धू हलवाई की कच्ची बर्फी और गुलाबजामुन ने भी मानीकलाँ की मिठाई की पहचान को मजबूत किया।

बदलते दौर में अपनी पहचान बचाने की चुनौती: समय के साथ मिठाइयों का बाजार बदला है। बाहर के ब्रांड और नए प्रतिष्ठान भी बाजार में अपनी जगह बना रहे हैं। ऐसे में स्थानीय लोगों के बीच मानीकलाँ के पारंपरिक स्वाद और पुराने हलवाई परिवारों की विरासत को लेकर चर्चा हो रही है।

स्थानीय मिठाइयों की यह पहचान केवल कारोबार तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे गांव का इतिहास, लोगों की यादें और पीढ़ियों से चला आ रहा हुनर जुड़ा हुआ है।

मानीकलाँ की इमरती, जलेबी, लौंगलता और सोहन हलवा आज भी यहां की पुरानी पहचान की याद दिलाते हैं। जरूरत है कि इस पारंपरिक हुनर को नई पीढ़ी तक पहुंचाया जाए, ताकि आने वाले समय में भी मानीकलाँ का नाम उसकी मिठास के लिए जाना जाता रहे। मानीकलाँ की मिठास यहां के हलवाइयों की मेहनत, पुरखों की विरासत और गांव के गौरव की पहचान रही है।

प्रतिभा खोज परीक्षा में अनुष्का यादव प्रथम, एक लाख रुपये से सम्मानित



नोएडा। सेक्टर-70, नोएडा में फिजिक्स वाला (Physics Wallah) संस्था द्वारा आयोजित प्रतिभा खोज परीक्षा में तेजपुर-सुल्तानपुर, आजमगढ़ की होनहार छात्रा अनुष्का यादव ने पूरे देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सम्मान समारोह में उन्हें एक लाख रुपये का चेक, ट्रॉफी एवं प्रमाणपत्र प्रदान किया गया।

इस उपलब्धि पर पिता बृजेश यादव, परिवारजनों, गाँव के बड़े-बुजुर्गों एवं समस्त ग्रामवासियों ने बधाई और आशीर्वाद दिया। अनुष्का के दादा रामकेश एम. यादव सरस, मुंबई, लेखक, साहित्यकार, गीतकार एवं पत्रकार ने भी हार्दिक शुभकामनाएँ देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

इंदौर नगर निगम की सख्ती : नर्मदा या बोरिंग के पानी से कार धोया तो दो से 10 हजार रुपये तक जुमोना

-प्रणित नरेंद्र तिवारी

इंदौर (उत्तरशक्ति)। नगर निगम ने संभावित जलसकंट से निपटने की तैयारी शुरू कर दी है। सोमवार को हुई महापौर परिषद (एमआईसी) की बैठक में जल नीति को हरी झंडी मिल गई। नर्मदा या बोरिंग के पानी का दुरुपयोग करने वालों पर अब नगर निगम सख्ती करेगा।नर्मदा या बोरिंग के पानी से कार धोने या इस पानी का किसी भी अन्य तरीके से दुरुपयोग करने वालों को दो से दस हजार रुपये तक जुमार्ना देना होगा। इसी तरह घरों में मोटर लगाकर पाइप लाइन से सीधे पानी खींचने और इससे दूसरों के घरों की जलापूर्ति प्रभावित होगी ऐसे मामलों में पहली बार पांच हजार और इसके बाद हर बार दस हजार रुपये जुमार्ना देना होगा। अवैध कनेक्शनों को वैध कराने के लिए 12 नवंबर से विशेष अभियान चलेगा जो 21 दिन तक जारी रहेगा। इसके बाद बड़े स्तर पर कनेक्शनों की जांच की जाएगी। अवैध कनेक्शन पाए जाने पर सख्त कार्रवाई की जाएगी।निगम मुख्यालय में सोमवार दोपहर बाद हुई मेराथन बैठक तीन घंटे से ज्यादा समय तक चली। महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि बैठक में जल प्रबंधन, अवैध कनेक्शन, विज्ञापन नीति, आवास और कर्मचारियों के नियमितीकरण सहित कई अहम प्रस्तावों को मंजूरी दी गई।

ई-रिक्शा की बढ़ती संख्या से लग रहा जाम, हाईकोर्ट सख्त; सरकार को चार सप्ताह में निर्णय लेने का निर्देश

लखनऊ (उत्तरशक्ति)। उत्तर प्रदेश में ई-रिक्शा की लगातार बढ़ती संख्या और उससे उत्पन्न हो रही यातायात जाम की समस्या को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने संज्ञान लिया है। अदालत ने राज्य सरकार को चार सप्ताह के भीतर यह निर्णय लेने का निर्देश दिया है कि लखनऊ समेत उन शहरों में ई-रिक्शा के नए पंजीकरण पर रोक लगाई जाए या नहीं, जहां इनकी संख्या आवश्यकता से अधिक हो चुकी है। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि अकेले लखनऊ में करीब 1.33 लाख ई-रिक्शा संचालित हो रहे हैं। इनकी बढ़ती संख्या के कारण सड़कों पर यातायात का दबाव बढ़ रहा है और आए दिन जाम की स्थिति बन रही है। इससे आम लोगों को आवागमन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

हाईकोर्ट ने सरकार को निर्देश दिया है कि इस समस्या पर गंभीरता से विचार करते हुए निर्धारित चार सप्ताह के भीतर उचित निर्णय लिया जाए। अब सरकार के फैसले पर नजर रहेगी कि प्रदेश के प्रमुख शहरों में ई-रिक्शा के नए पंजीकरण को लेकर क्या कदम उठाए जाते हैं।

एडी हेल्थ ने जिला अस्पताल का किया औचक निरीक्षण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। वाराणसी मंडल के एडी हेल्थ डॉ. दिग्विजय सिंह ने मंगलवार को जिला अस्पताल का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पर्चा काउंटर, ओपीडी, वाटर कूलर और अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। साथ ही मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए जरूरी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान पर्चा काउंटर के आसपास पान की पीक और गंदगी मिली। उन्होंने सीएमएस डॉ. संजय कनौजिया को साफ-सफाई व्यवस्था बेहतर रखने को कहा। वाटर कूलर के पास सीमेंटेड सतह पर काई मिलने पर वहां स्टील की शीट लगवाने का निर्देश दिया। ओपीडी में चिकित्सकों की ओर से मरीजों के पर्चे पर बीमारी और दवाओं का विवरण स्पष्ट लिखने का निर्देश दिया। इसके अलावा एडी हेल्थ ने रेडियोलॉजिस्ट की उपलब्धता और सीटी स्कैन सेवा के संचालन की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान सीएमएस डॉ. संजय कनौजिया सहित कई चिकित्सक मौजूद रहे।

जौनपुर में 500 से अधिक उज्ज्वला लाभार्थियों को दी गई सब्सिडी योजना की जानकारी



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। शासन के निर्देश पर उज्ज्वला लाभार्थियों को निःशुल्क गैस रिफिल सब्सिडी वितरण कार्यक्रम का आयोजन कलेक्ट्रेट स्थित प्रेक्षागृह में किया गया। कार्यक्रम में राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव, नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर और भाजपा जिलाध्यक्ष डॉ. अजय सिंह उपस्थित रहे।

इस दौरान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के संबोधन का सजीव प्रसारण किया गया। अतिथियों ने 500 से अधिक लाभार्थियों को योजना की जानकारी दी तथा 15 चिन्हित लाभार्थियों को सब्सिडी के प्रतीकात्मक चेक वितरित किए। कार्यक्रम में बताया गया कि जिले के 4,12,891 उज्ज्वला लाभार्थियों को गैस रिफिल बुकिंग के सापेक्ष दो चरणों में सब्सिडी मिलेगी। दीपावली के अवसर पर 31 दिसंबर 2026 तक तथा होली के अवसर पर 1 जनवरी से 31 मार्च 2027 तक धनराशि लाभार्थियों के खातों में भेजी जाएगी। इसके लिए लाभार्थियों को गैस कनेक्शन की ई-केवाईसी अपडेट करानी होगी। राज्यमंत्री गिरीश चन्द्र यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार गरीब परिवारों को स्वच्छ ईंधन उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयासरत है। इस अवसर पर जिलाधिकारी सैमुअल पाल एन., अपर जिलाधिकारी परमानंद झा, जिला पूर्ति अधिकारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डॉक्टर जावेरिया हुई सम्मानित, मिली बीयूएमएस की डिग्री



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जनपद की होनहार छात्रा डॉक्टर जावेरिया को बीयूएमएस की डिग्री प्राप्त होने पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। जावेरिया ने मुंबई, महाराष्ट्र स्थित डॉक्टर एम.आई.जे.टी. यूनानी मेडिकल कॉलेज एंड एच.ए.आर. कालसेकर हॉस्पिटल, यारी रोड, जीत नगर, वसोर्वा, अंधेरी वेस्ट से बीयूएमएस की डिग्री हासिल की है। इस उपलब्धि पर फिरोज खान, बबलू खान, रियाज़ुल हक खान, शमी रिजवान खान आदि ने उन्हें बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। वहीं उनके पिता हाजी हफिज अहमद खान,पति फैजान अहमद व सूफियान अहमद सहित अन्य लोगों ने भी डॉक्टर जावेरिया को बधाई दी है।

विधायक राजन नाइक के प्रयासों से जीवदानी मंदिर की पार्किंग तक बनेगी कंक्रीट सड़क

विरार (उत्तरशक्ति)। पालघर जिले के प्रसिद्ध तीर्थस्थल श्री जीवदानी माता मंदिर में दर्शन के लिए आने वाले लाखों श्रद्धालुओं को अब खराब सड़क और गड्ढों से परेशान नहीं होना पड़ेगा। विधायक राजन नाइक के प्रयासों से महाराष्ट्र सरकार के पर्यटन विभाग ने मंदिर की पार्किंग तक जाने वाली सड़क और पार्किंग परिसर के कंक्रीटीकरण के लिए 2 करोड़ रुपये की निधि मंजूर की है। सोमवार को विधायक राजन नाइक के हाथों इस विकास कार्य का भूमि पूजन संपन्न हुआ।



पालघर जिले सहित महाराष्ट्र के विभिन्न क्षेत्रों से हर साल लाखों श्रद्धालु श्री जीवदानी माता के दर्शन के लिए विरार पहुंचते हैं। विशेष रूप से नवरात्रि, त्योहारों और शनिवार-रविवार को यहां भक्तों की भारी भीड़ उमड़ती है। निजी बसों और चारपहिया वाहनों से आने वाले श्रद्धालुओं को मंदिर के नीचे स्थित पार्किंग स्थल तक पहुंचने में काफी परेशानी होती थी। सड़क पर गड्ढों और पार्किंग परिसर में कंक्रीटीकरण नहीं होने के कारण यातायात जाम के साथ मानसून में भी भक्तों को दिक्कतों का सामना करना पड़ता था।

श्रद्धालुओं की इस समस्या को देखते हुए विधायक राजन नाइक ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस से सड़क और पार्किंग परिसर के विकास के लिए निधि उपलब्ध कराने की मांग की थी। उन्होंने पर्यटन विभाग के अधिकारियों के साथ भी लगातार इस विषय पर प्रयास किए, जिसके बाद राज्य सरकार के पर्यटन विभाग ने 2 करोड़ रुपये की निधि मंजूर कर दी।

इस परियोजना के तहत मुख्य सड़क से पार्किंग परिसर तक कंक्रीट सड़क का निर्माण किया जाएगा तथा पार्किंग क्षेत्र को भी कंक्रीट से पक्का किया जाएगा। इससे मंदिर आने वाले श्रद्धालुओं को आवागमन और वाहन पार्किंग में बड़ी राहत मिलेगी।

इस अवसर पर विधायक राजन नाइक ने कहा कि श्री जीवदानी माता मंदिर पालघर जिले का एक महत्वपूर्ण धार्मिक और पर्यटन स्थल है। यहां आने वाले श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना प्राथमिकता है। भविष्य में भी मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में आवश्यक बुनियादी सुविधाओं के विकास के लिए प्रयास जारी रहेंगे।

18 लाख के जेवर की चोरी में मामा-भांजे आरोपी

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। बक्शा थाना क्षेत्र के परशुरामपुर गांव में दिनदहाड़े हुई नकबजनी की घटना का पुलिस ने खुलासा कर दिया। पुलिस ने मामले में एक आरोपी और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार करते हुए चोरी किए गए करीब 18 लाख रुपये कीमत के सोने-चांदी के जेवरात और नकदी बरामद की है। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपी रिश्ते में मामा-भांजे हैं। पुलिस के मुताबिक, परशुरामपुर गांव निवासी मंजू देवी पत्नी स्वर्गीय अमित कुमार उपाध्याय दो नवंबर को स्कूल ड्यूटी पर गई थीं। इसी दौरान अज्ञात लोगों ने उनके घर में रखे बक्से का ताला और कब्जा तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात तथा नकदी चोरी कर ली। पीड़िता की तहरीर पर बक्शा थाने में मुकदमा अपराध संख्या 548ध्2026 के तहत संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया था। घटना के खुलासे के लिए पुलिस टीम जुटी थी। इसी दौरान मुखबिर की सूचना पर पुलिस ने निकेत पाण्डेय उर्फ भोलू निवासी भुलनिया, थाना सरपतहां और एक बाल अपचारी को गिरफ्तार कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि बाल अपचारी ने मंजू देवी की बेटी को मोबाइल में एप्लीकेशन डाउनलोड कराने के बहाने व्यस्त रखा।

इसी दौरान निकेत घर में घुसकर बक्से का ताला तोड़ते हुए जेवरात और रुपये लेकर छतों के रास्ते फरार हो गया। बाद में दोनों ने सुनसान स्थान पर चोरी के जेवरात आपस में बांट लिए थे।पुलिस के अनुसार, दोनों चोरी के जेवरात बेचने के लिए वाराणसी जाने की फिराक में थे, लेकिन इससे पहले ही पुलिस के हत्थे चढ़ गए। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे से चार सोने की चेन, एक हार, कान के झुमके-बालियां, अंगूठियां, मंगलसूत्र, चांदी की तीन जोड़ी पायल सहित अन्य जेवरात तथा 400 रुपये नकद बरामद हुए। बरामदगी को पीड़िता ने अपने चोरी हुए जेवरात के रूप में प्रमाणित किया है।

PET परीक्षा में सेंधमारी की कोशिश नाकाम, केराकत पुलिस ने दो आरोपितों को पकड़ा



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। पीईटी परीक्षा-2026 में दूसरे अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा देने के मामले में केराकत पुलिस ने दो आरोपितों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपितों में परीक्षा में शामिल हुआ अभ्यर्थी संतोष कुमार और जिसके नाम पर परीक्षा दी जा रही थी, वह गौतम कुमार शामिल हैं। दोनों देवरिया जिले के निवासी बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, एक नवंबर 2026 को आयोजित पीईटी परीक्षा की द्वितीय पाली में एक व्यक्ति गौतम कुमार के नाम पर परीक्षा देने पहुंचा था। जांच के दौरान उसके आधार कार्ड और पैन कार्ड पर संतोष कुमार का नाम अंकित मिला। इस तरह दूसरे अभ्यर्थी के स्थान पर परीक्षा दिए जाने का मामला सामने आया। प्रकरण में प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना केराकत में मु0अ0सं0 449/2026 के तहत सार्वजनिक परीक्षा (अनुचित साधनों की रोकथाम) अधिनियम, 2024 की धारा 3/9 तथा बीएनएस की धारा 319(2) में मुकदमा दर्ज किया गया। पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर चलाए जा रहे अभियान के तहत केराकत पुलिस ने कार्रवाई करते हुए संतोष कुमार पुत्र गौरीशंकर और गौतम कुमार पुत्र स्व. प्रीतम प्रसाद, निवासी सिरसिया महादेवा बाजार, थाना कारखाना रामपुर, जनपद देवरिया को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, दोनों आरोपितों का चालान न्यायालय किया जा रहा है।

वसई-विरार के विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए विधायक स्नेहा दुबे पंडित की मंत्रालय में बैठक



मुंबई (उत्तरशक्ति)। वसई-विरार क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देने और स्थानीय नागरिकों की समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करने के उद्देश्य से वसई की विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने मुंबई स्थित मंत्रालय में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों से मुलाकात कर महत्वपूर्ण मुद्दों पर चर्चा की।

इस दौरान महाराष्ट्र लोक निर्माण विभाग (सड़क) के सचिव शरद एन. राजभोज के साथ वसई-विरार शहर महानगरपालिका में रिक्त पड़े इंजीनियरों के पदों को प्रतिनियुक्ति के माध्यम से भरने के संबंध में चर्चा की गई। इसका उद्देश्य महानगरपालिका में तकनीकी अधिकारियों की कमी दूर कर विकास कार्यों को अधिक प्रभावी ढंग से आगे बढ़ाना है।

इसके अलावा, लोक निर्माण विभाग के उपसचिव प्रशांत पाटिल से मुलाकात कर वसई क्षेत्र में मुख्यमंत्री सड़क योजना के अंतर्गत चल रहे कार्यों में आ रही बाधाओं को दूर करने का मुद्दा उठाया गया। साथ ही, वसई में प्रस्तावित नई पंचायत समिति कार्यालय की इमारत को जल्द से जल्द प्रशासनिक मंजूरी दिलाने के विषय पर भी चर्चा की गई।

विधायक स्नेहा दुबे पंडित ने संबंधित अधिकारियों के समक्ष इन सभी मुद्दों को रखते हुए विकास कार्यों में अनावश्यक देरी दूर करने और आवश्यक प्रशासनिक प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने पर जोर दिया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि वसई-विरार क्षेत्र के सर्वांगीण विकास, बेहतर बुनियादी सुविधाओं और नागरिकों के हितों को प्राथमिकता देते हुए उनका लगातार फॉलोअप जारी रहेगा। मंत्रालय स्तर पर की गई यह पहल क्षेत्र के विकास कार्यों को गति देने की दिशा में महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

काटन ग्रीन में हुई कविताओं की बरसात



मुंबई। श्री आदर्श रामलीला उपसमिति काटन ग्रीन के तत्वावधान में राममंदिर प्रांगण,काटन ग्रीन पूर्व के मंच से देर रात तक कविताओं की बरसात होती रही और रामभक्त के साथ में साहित्य रसिक कविता की धारा में डूबते-उतराते रहे। उपसमिति के अध्यक्ष पं. राधेश्याम मिश्र के नेतृत्व में इस साल तिरसठवें रामलीला का आयोजन किया गया। परंपरा के अनुसार उसके बाद उसी मंच पर हास्य सम्राट सुरेश मिश्र के संचालन तथा असलम हसन (शायर व जीएसटी कमिश्नर) की अध्यक्षता में सूरज त्रिपाठी, सुहाना नाज, एड्. राजीव मिश्र, ज्योति त्रिपाठी, राघवेन्द्र त्रिपाठी, राजेश दुबे अल्हड़, सुश्री किरण तिवारी ने अपनी कविताओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। सुरेश मिश्र की कविता 'बेटी के नाम खत' सुनकर लोग भावुक हो गए जबकि शायर असलम हसन की गजलों को भी खूब वाहवाही मिली। इससे पूर्व उत्कर्ष तिवारी (जीएसटी कमिश्नर) संजीव कुमार सिंह (जीएसटी कमिश्नर), असलम हसन (जीएसटी कमिश्नर) ,ए. के. वर्मा, रमापति त्रिपाठी, के.के मिश्र का राधेश्याम मिश्र, ओमप्रकाश पांडेय,एड्. आर. बी. यादव, निखिल मिश्र, राकेश यादव,प्रतीक मिश्र,निलेश मिश्रा ने स्मृति चिन्ह प्रदान कर स्वागत किया गया। श्रोताओं की भारी भीड़ इकट्ठी हुई। संपूर्ण कार्यक्रम को सफल बनाने में बाबा साहेब मिसाल, वीरेंद्र सिंह, शैलेश नरवड़े, शिव कुमार सिंह, उमाशंकर पांडेय, डाक्टर के. के. गुप्ता सहित पूरी समिति ने अहम भूमिका निभाई। अंत में राधेश्याम मिश्र ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया।

मध्यस्थता से तीन दशक पुराने सिविल वाद का हुआ निस्तारण



जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तत्वावधान में चलाए जा रहे राष्ट्र के लिए मध्यस्थता अभियान 3.0 के तहत करीब तीन दशक पुराने सिविल वाद का सुलह-समझौते के माध्यम से सफल निस्तारण किया गया। न्यायालय अपर सिविल जज (जू.डि.) पंचम, जौनपुर की पीठासीन अधिकारी मेधा कुशवाहा के समक्ष विचाराधीन मूलवाद संख्या 738/1997 राजनाथ बनाम गांवसभा स्थायी निषेधाज्ञा से संबंधित था। न्यायालय ने मामले को सुलह-समझौता केंद्र भेजा, जहां मध्यस्थ संजय कुमार उपाध्याय के प्रयासों से दोनों पक्ष आपसी सहमति से विवाद समाप्त करने पर राजी हो गए। इसमें दोनों पक्षों के अधिवक्ता वशिष्ठ नारायण शुक्ल एवं समरजीत यादव ने सहयोग किया। सिविल जज (सीनियर डिवीजन)/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुशील कुमार सिंह ने बताया कि 30 दिसंबर 2026 तक चलने वाले मध्यस्थता अभियान का उद्देश्य लंबित मामलों का आपसी बातचीत और सहमति से शीघ्र निस्तारण कराना है।

काशी अब जमीन से नहीं, आसमान से होगी रूबरू; 16 मिनट में बनारस का दीदार!

सुरेश गांधी

वाराणसी। काशी की गलियों, घाटों और मंदिरों को अब तक जमीन से निहारा जाता रहा है, लेकिन जल्द ही बनारस को आसमान से देखने का रोमांच भी पर्यटकों और शहरवासियों को मिलेगा। गंडोले में बैठते ही नीचे बसी काशी का नजारा कुछ ऐसा दिखा मानो पूरा शहर एक ही फ्रेम में सिमट आया हो। सड़कें, इमारतें और भागती जिंदगी ऊपर से एक अलग ही तस्वीर पेश कर रही थीं। करीब तीन किमी की इस सवारी में सबसे खास अनुभव इसकी सहजता और आरामदायक सफर रहा। न सड़कों का शोर, न जाम में फंसे वाहनों की बेचैनी और न ही भागती जिंदगी की आपाधापी। हवा में बेहद आरामदायक सफर के दौरान शहर की इमारतें, सड़कें और बदलता बनारस एक अलग ही तस्वीर पेश कर रहे थे। चारों ओर पारदर्शी शीशों से घिरे गंडोले में बैठकर काशी को निहारना अपने आप में अनूठा अनुभव है।

यह सिर्फ एक नई सवारी नहीं, बल्कि काशी के परिवहन और पर्यटन के बदलते स्वरूप की दस्तक है। कैंट से गोदौलिया तक प्रस्तावित रोपवे परियोजना अब अपने अंतिम चरणों की ओर बढ़ रही है। मंगलवार को पत्रकारों के लिए निर्धारित विशेष ट्रायल राइड में गंडोले की सवारी कर इसकी सुविधाओं और कार्यप्रणाली को करीब से समझने का अवसर मिला। इस अनुभव ने साफ किया कि रोपवे आने वाले समय में काशी के पर्यटन मानचित्र पर एक नया आकर्षण बन सकता है। करीब तीन किमी के इस अनुभव ने अहसास कराया कि काशी अब अपनी पारंपरिक पहचान के साथ आधुनिक परिवहन के एक नए युग में प्रवेश करने जा रही है। रोपवे यानी गंडोला अब केवल जाम से निजात दिलाने वाली परिवहन परियोजना भर नहीं रह जाएगा। यह काशी आने वाले पर्यटकों के आकर्षण का नया केंद्र भी बनने जा रहा है। अब तक काशी विश्वनाथ धाम, गंगा आरती, संकट मोचन, सारनाथ और गंगा घाट पर्यटकों की यात्रा सूची में प्रमुखता से शामिल रहे हैं। आने वाले समय में गंडोले की सवारी भी इस सूची में एक नया आकर्षण जोड़ सकती है। पर्यटक अब सिर्फ काशी को देखेंगे नहीं, बल्कि आसमान से उसे निहारने का अनुभव भी अपने साथ लेकर जाएंगे।

करीब 807 करोड़ रुपये की लागत वाली इस महत्वाकांक्षी परियोजना की कुल लंबाई 3.85 किमी है। कैंट रेलवे स्टेशन से गोदौलिया तक का सफर लगभग 16 मिनट में पूरा करने की योजना है। पूरे कॉरिडोर में पांच स्टेशन बनाए गए हैं। इनमें कैंट रेलवे स्टेशन, काशी विद्यापीठ, रथयात्रा, गिरजाघर और गोदौलिया शामिल हैं। मार्ग में 29 टावर स्थापित किए गए हैं। कुल 150 गंडोले संचालित करने की योजना है। प्रत्येक गंडोले में एक साथ 10 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है। इसकी अधिकतम गति छह मीटर प्रति सेकंड बताई गई है। प्रस्तावित किराया प्रति यात्री 50 रुपये है। गंडोले की सबसे महत्वपूर्ण विशेषता इसकी सुरक्षा व्यवस्था है। चारों तरफ पारदर्शी शीशों से घिरे केबिन को देखकर स्वाभाविक सवाल उठता है कि सफर के दौरान कोई व्यक्ति दरवाजा खोलने या बाहर निकलने की कोशिश करे तो क्या होगा? अधिकारियों से इस संबंध में जानकारी ली गई तो उन्होंने सुरक्षा के पुख्ता इंतजामों का भरोसा दिलाया।

भगवान बिरसा मुंडा जयंती पर जनजाति गौरव दिवस एवं भाजपा की बैठक में शामिल हुए डॉ. हेमंत सावरा

दादर, मुंबई। भारतीय जनता पार्टी, महाराष्ट्र प्रदेश की ओर से प्रदेश अध्यक्ष रविंद्र चव्हाण के मार्गदर्शन में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के अवसर पर जनजाति गौरव दिवस कार्यशाला एवं अनुसूचित जनजाति क्षेत्र कार्यकारिणी की बैठक का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में पालघर के सांसद डॉ. हेमंत सावरा विशेष रूप से शामिल हुए।



कार्यक्रम में भगवान बिरसा मुंडा के महान योगदान, उनके बलिदान और आदिवासी समाज के अधिकारों की रक्षा के लिए किए गए ऐतिहासिक संघर्ष को याद करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की गई। साथ ही आदिवासी समुदाय के सर्वांगीण विकास, सामाजिक उत्थान और सशक्तिकरण को लेकर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया।

बैठक में संगठनात्मक मजबूती, सामाजिक प्रतिबद्धता तथा आदिवासी समाज के हितों से जुड़े मुद्दों पर भविष्य की कार्ययोजना पर चर्चा हुई। इस अवसर पर आदिवासी समुदाय के अधिकारों की रक्षा, शिक्षा, विकास और सशक्तिकरण के लिए संगठनात्मक स्तर पर और अधिक प्रभावी ढंग से कार्य करने का संकल्प लिया गया। सांसद डॉ. हेमंत सावरा की इस सहभागिता को आदिवासी समाज के उत्थान और उनके अधिकारों के प्रति संगठन की प्रतिबद्धता के रूप में देखा जा रहा है।





मीरा रोड के डिवाइन वेलनेस स्पा पर क्राइम ब्रांच का छापा, मैनेजर गिरफ्तार, पांच युवतियां रेस्क्यू



मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। मीरा रोड पूर्व में मसाज सेंटर की आड़ में कथित रूप से देह व्यापार चलाए जाने के मामले का क्राइम ब्रांच ने पदार्फाश किया है। मीरा रोड पुलिस स्टेशन की सीमा में आरबीके स्कूल के पास, मैरीगोल्ड परिसर में एमबीएमसी पानी की टंकी के सामने स्थित मुकुंद ऋतु बिल्डिंग की दुकान नंबर 6 और 7 में संचालित डिवाइन वेलनेस स्पा सेंटर पर पुलिस टीम ने छापेमारी की। इस कार्रवाई में स्पा सेंटर के मैनेजर को गिरफ्तार किया गया, जबकि पांच युवतियों को रेस्क्यू कराया गया। मामले में दो कथित संचालकों की तलाश की जा रही है। NGO से मिली सूचना के बाद बिछाया जाल पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, मीरा भायंदर-वसई विरार पुलिस आयुक्तालय की क्राइम ब्रांच के एसीपी नितिन पाटील (अतिरिक्त कार्यभार) को एक गैर-सरकारी संगठन (NGO) के माध्यम से सूचना मिली थी कि उक्त स्पा सेंटर में मसाज के नाम पर ग्राहकों को कथित तौर पर देह व्यापार के लिए युवतियां उपलब्ध कराई जा रही हैं। सूचना की पुष्टि के लिए महिला अत्याचार प्रतिबंधक एवं विशेष बालक संरक्षण व देखभाल कक्ष की वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक तृप्ति देशमुख और उनकी टीम ने योजनाबद्ध तरीके से कार्रवाई की। पुलिस ने बोगस ग्राहक और पंच की मदद से जाल बिछाया तथा स्पा सेंटर पर छापा मारकर मैनेजर को हिरासत में लिया। मौके से पांच युवतियों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। चार-पांच वर्षों से कारोबार चलने का संदेह प्रारंभिक जानकारी के मुताबिक, स्पा सेंटर में मसाज की आड़ में कथित देह व्यापार का यह कारोबार पिछले चार से पांच वर्षों से चलाए जाने का आरोप है। हालांकि, इस अवधि और कारोबार से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की पुष्टि पुलिस जांच के बाद ही हो सकेगी। छापेमारी के दौरान पुलिस ने मोबाइल फोन, नकदी, आपत्तिजनक सामग्री और डेबिट कार्ड स्वाइप मशीन सहित अन्य संबंधित सामान जब्त किया है। संचालकों और एजेंटों की भूमिका की जांच पुलिस अब यह पता लगाने में जुटी है कि स्पा सेंटर के कथित संचालकों के अलावा इस कारोबार में अन्य साझेदार भी शामिल हैं या नहीं। साथ ही, युवतियों को स्पा सेंटर तक लाने में किसी एजेंट या बिचौलिए की भूमिका थी या नहीं, इसकी भी जांच की जा रही है। पुलिस यह भी पता लगाने का प्रयास कर रही है कि युवतियों को कथित देह व्यापार में धकेलने के पीछे किन लोगों का हाथ था। इठर और पीटा एक्ट के तहत कार्रवाई पुलिस के अनुसार, मामले में भारतीय न्याय संहिता (BNS) और अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम यानी पीटा एक्ट के प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है। रेस्क्यू कराई गई पांच युवतियों को सुरक्षित महिला सुधारगृह भेजने की प्रक्रिया भी शुरू की गई है। यह कार्रवाई वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों, क्राइम ब्रांच के डीसीपी संदीप डोईफोडे तथा एसीपी नितिन पाटील के मार्गदर्शन में वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक तृप्ति देशमुख और उनकी टीम ने संयुक्त रूप से की। कार्रवाई में सहायक पुलिस फौजदार राजाराम आसवाले, विनोद राउत, एएसआई देशमुख, महिला पुलिस हवलदार शीतल जाधव, सुरेखा वायळ, प्रिया चव्हाण, पुलिस हवलदार ललित पाटील, एमएसएफ जवान सतीश सोनावणे तथा क्राइम ब्रांच के अन्य कर्मी शामिल रहे। फिलहाल पुलिस मामले की आगे की जांच कर रही है।

सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज ने रचा विश्व रिकॉर्ड, 1.07 लाख से अधिक प्रतिभागियों का पंजीकरण



मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में और मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग के माध्यम से आयोजित सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज नामक बहुराज्यीय नवाचार प्रतियोगिता को विद्यार्थियों, युवाओं, नवउद्यमियों और शोधकताओं का अभूतपूर्व प्रतिसाद मिला है। 31 अक्टूबर की मध्यरात्रि को प्रतियोगिता की आवेदन प्रक्रिया समाप्त हो गई है। इस प्रतियोगिता के लिए कुल 1 लाख 7 हजार 603 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। युवाओं के नवाचारों को मंच उपलब्ध कराने वाली इस प्रतियोगिता ने विश्व रिकॉर्ड बनाया है, ऐसी जानकारी कैबिनेट मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने दी। महाराष्ट्र, गोवा, छत्तीसगढ़ तथा दादरा एवं नगर हवेली और दमन एवं दीव इन केंद्रशासित प्रदेशों को शामिल करने वाले महाराष्ट्र जोन से इस प्रतियोगिता के लिए 1 लाख 7 हजार 603 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। इनमें 79 हजार 162 टीमों ने भाग लिया है, जबकि 32 हजार 298 प्रतिभागियों ने अपनी प्रोफाइल पूरी की है। इसके अलावा, 6 हजार 192 महिलाओं और 18 वर्ष से कम आयु के 4 हजार 549 प्रतिभागियों ने पंजीकरण कराया है। सामान्य वर्ग से 21 हजार 550 प्रतिभागियों ने सहभागिता दर्ज कराई है तथा प्रतिभागियों द्वारा कुल 16 हजार 57 नवाचारपूर्ण अवधारणाएं प्रस्तुत की गई हैं। इस प्रतियोगिता के माध्यम से कृषि, कानून एवं व्यवस्था, महिला एवं बाल कल्याण, शहरी विकास, स्वास्थ्य एवं चिकित्सा सेवाएं, रक्षा, सतत विकास (ऊर्जा, जलवायु एवं संबंधित क्षेत्र), बुनियादी ढांचा एवं परिवहन, उभरती प्रौद्योगिकियां (कृत्रिम बुद्धिमत्ता, ब्लॉकचेन एवं अन्य तकनीकें) तथा शिक्षा एवं रोजगार क्षमता जैसे 10 प्रमुख क्षेत्रों की समस्याओं के लिए नवाचारपूर्ण समाधान खोजे जाएंगे। प्रत्येक प्रमुख क्षेत्र के अंतर्गत पांच उपक्षेत्र शामिल हैं। इस प्रकार कुल 50 उपक्षेत्रों में से विजेताओं का चयन किया जाएगा। इस प्रतियोगिता के 50 विजेताओं को प्रत्येक को 10 लाख रुपये के कायादेश प्रदान किए जाएंगे। इसके लिए कुल 5 करोड़ रुपये की निधि उपलब्ध कराई जाएगी। इससे युवाओं के विचार केवल पुरस्कारों तक सीमित नहीं रहेंगे, बल्कि उन्हें वास्तविक रूप से लागू करने का अवसर भी मिलेगा। युवाओं की रचनात्मकता को उचित मंच प्रदान करने, नवउद्यमियों को प्रोत्साहित करने और समाजोपयोगी नवाचारों के क्रियान्वयन को गति देने के उद्देश्य से इस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया है, ऐसी जानकारी कौशल, रोजगार, उद्यमिता एवं नवाचार विभाग के मंत्री मंगलप्रभात लोढ़ा ने दी। उन्होंने कहा कि सेवा फर्स्ट इनोवेशन चैलेंज को मिला उत्साहजनक प्रतिसाद युवाओं की रचनात्मकता और उद्यमशील क्षमता का प्रमाण है।

रैपिडो की मानस्वी मान को गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड में नॉमिनेट किया गया



मुंबई। रैपिडो, भारत का लीडिंग राइड-शेयरिंग और मोबिलिटी प्लेटफॉर्म हैं, जो भारत सरकार द्वारा बनाए गए गिग और प्लेटफॉर्म वर्कर्स के लिए नेशनल सोशल सिक्योरिटी बोर्ड में रैपिडो की जनरल काउंसिल और कॉर्पोरेट अफेयर्स तथा पब्लिक पॉलिसी की हेड मानस्वी मान के नॉमिनेशन का स्वागत करता है।

बोर्ड के गठन को मिनिस्ट्री ऑफ लेबर एंड एम्प्लॉयमेंट द्वारा एक एक्स्ट्राऑर्डिनरी गजट नोटिफिकेशन के जरिए फॉर्मली नोटिफाई किया गया था। रिप्रेजेंटेशन के लिए चुनी गई पांच प्लेटफॉर्म कंपनियों में रैपिडो एकमात्र ऐप-बेस्ड पैसेंजर मोबिलिटी एग्रीगेटर है। बोर्ड भारत के बढ़ते गिग वर्कफोर्स के लिए सोशल प्रोटेक्शन को मजबूत करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म, वर्कर ऑर्गनाइजेशन, सेंट्रल और स्टेट गवर्नमेंट तथा सब्जेक्ट-मैटर एक्सपर्ट्स के रिप्रेजेंटेटिव को एक साथ लाता है। इसके काम में सोशल सिक्योरिटी स्कीम की सलाह देना और सरकार को लाइफ और डिसेबिलिटी इंश्योरेंस, एक्सीडेंट प्रोटेक्शन, हेल्थ एवं मैटरनिटी बेनिफिट्स तथा बुढ़ापे की सिक्योरिटी जैसे वेलफेयर उपायों पर सलाह देना शामिल है। अपने नॉमिनेशन पर कमेंट करते हुए रैपिडो के जनरल काउंसिल और कॉर्पोरेट अफेयर्स तथा पब्लिक पॉलिसी हेड, मनस्वी मान ने कहा, ₹गिग और प्लेटफॉर्म वर्कफोर्स भारत की बढ़ती इकॉनमी का एक जरूरी हिस्सा है, जिससे लाखों लोगों को फ्लेक्सिबल रोजी-रोटी के मौके मिलते हैं। जैसे-जैसे यह इकोसिस्टम बढ़ता है, इन वर्कर्स के लिए सोशल सिक्योरिटी तथा वेलफेयर उपायों को मजबूत करना और भी जरूरी हो जाता है। इसके लिए वर्कर्स, इंडस्ट्री और पॉलिसीमेकर्स को शामिल करते हुए एक मिलकर काम करने का तरीका अपनाने की जरूरत है। मैं बोर्ड की चर्चाओं में योगदान देने और पैसेंजर मोबिलिटी सेक्टर के नजरिए को सामने लाने के लिए उत्सुक हूं ताकि सबको साथ लेकर चलने वाले और असरदार सोशल सिक्योरिटी उपायों को बनाने में मदद मिल सके। प्लेटफॉर्म-बेस्ड सर्विस पूरे भारत में रोजी-रोटी का एक जरूरी जोरिया बनकर उभरी हैं। पैसेंजर मोबिलिटी में बाइक टैक्सी, ऑटो और कैब सर्विस लाखों कैप्टन्स को फ्लेक्सिबल कमाई के मौके देती हैं, साथ ही आसानी से मिलने वाले सोशल सिक्योरिटी और वेलफेयर बेनिफिट्स की अहमियत पर भी जोर देती हैं।

एकम्स ने वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही में शानदार प्रदर्शन करते हुए राजस्व में 32%, EBITDA में 106% और शुद्ध मुनाफे में 168% की बढ़ोतरी दर्ज की

नई दिल्ली। भारत की सबसे बड़ी कॉन्ट्रैक्ट डेवलपमेंट एंड मैन्युफैक्चरिंग ऑर्गनाइजेशन 'एकम्स ड्रग्स एंड फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड' ने 30 सितंबर, 2026 को खत्म हुई तिमाही के लिए अपने कंसोलिडेटेड फाइनेंशियल परिणामों को की घोषणा की। कंपनी ने अपने उऋटड बिजनेस में लगातार रफ़्तार, अच्छी कस्टमर डिमांड और बेहतर ऑपरेटिंग परफॉर्मेंस की मदद से राजस्व, ऑपरेटिंग प्रॉफिटेबिलिटी और टैक्स के बाद प्रॉफिट में अच्छी बढ़ोत्तरी की है। वित्त वर्ष 2027 की दूसरी तिमाही (Q2) के लिए एकम्स ने 1,342 करोड़ रुपये का राजस्व रिपोर्ट किया। यह आंकड़ा Q2 FY26 के1,018 करोड़ रुपये के मुकाबले साल-दर-साल 31.9% की ग्रोथ दिखाता है। EBITDA साल-दर-साल 106% बढ़कर 195 करोड़ रुपये हो गया, जबकि पिछले साल इसी तिमाही में यह 94 करोड़ रुपये था। EBITDA मार्जिन Q2 FY26 के 9.3% से बढ़कर 14.5% हो गया। प्रॉफिट आफ्टर टैक्स (PAT) 115 करोड़ रुपये रहा, जो पिछले साल इसी तिमाही के 43 करोड़ रुपये के मुकाबले 168% की ग्रोथ दिखाता है, और PAT मार्जिन 4.1% से बढ़कर 8.4% हुआ। कंपनी ने वित्त वर्ष 2027 की पहली छमाही (H1 FY27) में भी अपनी अच्छी ग्रोथ जारी रखी। इस दौरान कंपनी का राजस्व 2,509 करोड़ रुपये रहा, जबकि पिछले साल इसी अवधि में यह 2,042 करोड़ रुपये था। इस तरह राजस्व में 22.9% की बढ़ोतरी हुई। वहीं EBITDA पिछले साल के 223 करोड़ रुपये से बढ़कर 369 करोड़ रुपये हो गया, यानी इसमें 65.3% की वृद्धि दर्ज की गई। कंपनी का शुद्ध मुनाफा (PAT) भी दोगुना होकर 107 करोड़ रुपये से बढ़कर 216 करोड़ रुपये पहुंच गया। इसके अलावा EBITDA मार्जिन 10.9% से बढ़कर 14.7% हो गया। यह कंपनी की बेहतर कार्यक्षमता और मुनाफे में बढ़ोतरी को दशार्ता है।

महेश धांगड़ा अखिल भारतीय कामगार कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बने

वसई-विरार। अखिल भारतीय कामगार कर्मचारी संघ के वसई-विरार शहर महानगरपालिका यूनिट के अध्यक्ष पद पर महेश धांगड़ा के चयन पर भारतीय जनता पार्टी युवा मोर्चा के जिला उपाध्यक्ष प्रणीत कोप्पिकर ने उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। संगठन के अध्यक्ष रवींद्र चव्हाण के निदेर्शानुसार तथा महासचिव सुहास मारे की घोषणा के बाद नई कार्यकारिणी का गठन किया गया है। इस अवसर पर प्रणीत कोप्पिकर ने महेश धांगड़ा को नई जिम्मेदारी मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए विश्वास जताया कि उनके नेतृत्व में संगठनात्मक गतिविधियों को नई दिशा और गति मिलेगी। उन्होंने उम्मीद जताई कि नवनियुक्त अध्यक्ष महेश धांगड़ा अपनी पूरी टीम के साथ मिलकर महानगरपालिका कर्मचारियों एवं श्रमिकों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाएंगे तथा उनके समाधान के लिए प्रभावी प्रयास करेंगे। साथ ही संगठन को मजबूत बनाने और अधिक से अधिक कर्मचारियों को संगठन से जोड़ने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। अंत में प्रणीत कोप्पिकर ने महेश धांगड़ा सहित सभी नवनियुक्त पदाधिकारियों को नई जिम्मेदारी के लिए बधाई देते हुए उनके सफल कार्यकाल की कामना की।

होमलेन ने चेंबूर में नए एक्सपीरियंस सेंटर के साथ मुंबई में अपनी उपस्थिति को मजबूत किया



मुंबई। भारत के अग्रणी प्रौद्योगिकी और एआई-सक्षम होम इंटीरियर्स ब्रांड होमलेन ने चेंबूर में अपने नए एक्सपीरियंस सेंटर के शुभारंभ की घोषणा की है। मुंबई में यह कंपनी का चौथा एक्सपीरियंस सेंटर है, जो शहर के पूर्वी उपनगरों में अपनी खुदरा उपस्थिति को और मजबूत करता है। 600 वर्ग फुट में फैला यह नया स्टूडियो आर्किटेक्ट नम्रता हेगड़े के साथ साझेदारी में फ्रेंचाइजी-ओन्ड, फ्रेंचाइजी-ऑपरेटेड (एफओएफओ) मॉडल के तहत शुरू किया गया है, जो स्थानीय घर मालिकों को 3ऊ विजुअलाइजेशन, पारदर्शी मूल्य निर्धारण और 45 दिनों में परियोजना पूर्ण करने की गारंटी के साथ एंड-टू-एंड इंटीरियर डिजाइन सेवाएं प्रदान करेगा। इस केंद्र का औपचारिक उद्घाटन महाराष्ट्र सरकार के पूर्व गृह राज्य मंत्री कृपाशंकर सिंह के हाथों मुख्य अतिथि के रूप में संपन्न हुआ। समारोह में अणुशक्ति नगर विधानसभा क्षेत्र की विधायक सना मलिक शेख और शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता आनंद दुबे विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इसके अलावा महाराष्ट्र सरकार के पूर्व कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक, होमलेन के वरिष्ठ अधिकारियों तथा प्रमुख व्यावसायिक साझेदारों ने भी इस अवसर पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। होमलेन के चेंबूर एक्सपीरियंस सेंटर में ग्राहक मॉड्यूलर किचन, वार्डरोब और संपूर्ण होम इंटीरियर सॉल्यूशंस का प्रत्यक्ष अनुभव ले सकते हैं। यह सेंटर होमलेन के पेटेंटेड एआई-सक्षम प्लेटफॉर्म 'स्पेसक्राफ्ट' पर आधारित है, जिससे ग्राहक अपने सपनों के घर का 3ऊविजुअलाइजेशन देखने के साथ-साथ तुरंत वास्तविक लागत का सटीक अनुमान प्राप्त कर सकते हैं। कंपनी 10 वर्षों की सामग्री वारंटी और संपूर्ण परियोजना प्रबंधन का आश्वासन भी देती है। लॉन्च के अवसर पर होमलेन के सह-संस्थापक और सीओओ तनुज चौधरी ने कहा, ₹मुंबई में हमारा चौथा स्टूडियो शुरू होने से स्थानीय घर मालिकों को पारदर्शी मूल्य निर्धारण, 3ऊ डिजाइन तकनीक और निश्चित कार्यान्वयन प्रक्रिया सीधे उपलब्ध हो रही है। हमारा मुख्य उद्देश्य परिवारों को अपने सपनों के घर की कल्पना आत्मविश्वास के साथ करने और घर तैयार करने की प्रक्रिया को तनावमुक्त बनाने में सक्षम बनाना है। होमलेन की साझेदार आर्किटेक्ट नम्रता हेगड़े ने कहा, चेंबूर में पली-बढ़ी होने के कारण मैंने इस क्षेत्र को एक प्रमुख आवासीय केंद्र के रूप में विकसित होते देखा है। स्पेस प्लानिंग में मेरी विशेषज्ञता और होमलेन के फैक्टरी-फिनिश्ड प्रॉडक्ट्स व पारदर्शी मूल्य निर्धारण के संयोजन से हमारा उद्देश्य प्रारंभिक डिजाइन से अंतिम हैंडओवर तक की पूरी प्रक्रिया को ग्राहकों के लिए परेशानी-मुक्त बनाना है।

श्री रामलीला उत्सव समिति, को मिला NBT दशहरा दर्पण 2026 का प्रतिष्ठित शिखर सम्मान



-आदेश मिश्र,

मुंबई। नवभारत टाइम्स द्वारा आयोजित NBT दशहरा दर्पण 2026 रामलीला सम्मान समारोह में श्री रामलीला उत्सव समिति, विक्रोली पार्क साइट को प्रतिष्ठित शिखर सम्मान पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि से पूरी आयोजन समिति एवं क्षेत्र के रामभक्तों में हर्ष और गौरव का वातावरण है। इस गौरवपूर्ण अवसर पर समिति की ओर से समिति अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल के छोटे भाई एवं ब्लॉक प्रमुख राहुल चंद्रशेखर शुक्ल तथा समिति के संगठन मंत्री एवं मीडिया प्रभारी आदेश मिश्र ने यह सम्मान ग्रहण किया। समारोह में यह प्रतिष्ठित सम्मान अभिनेता शोभिनव 'सत्या', जिन्होंने हनुमान अंश पिक्चर में नीम करौली बाबा की भूमिका निभाई है, अभिनेत्री पूर्णिमा तिवारी, प्रसिद्ध अभिनेता विंदू दारा सिंह एवं नवभारत टाइम्स के संपादक ललित वर्मा के करकमलों द्वारा प्रदान किया गया।

इस सम्मान के लिए श्री रामलीला उत्सव, विक्रोली पार्क साइट की आयोजन समिति ने नवभारत टाइम्स की पूरी टीम के प्रति हृदय से आभार एवं धन्यवाद व्यक्त किया। समिति ने कहा कि यह पुरस्कार केवल एक सम्मान नहीं, बल्कि पूरी आयोजन समिति, सहयोगियों, कलाकारों, कार्यकताओं एवं समस्त रामभक्तों के अथक परिश्रम, निष्ठा, समर्पण और प्रभु श्रीराम के प्रति अटूट श्रद्धा का प्रतीक है। यह उपलब्धि उन सभी लोगों के सामूहिक प्रयासों का परिणाम है, जिन्होंने रामलीला के आयोजन को सफल एवं भव्य बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि भविष्य में भी सभी का स्नेह, आशीर्वाद एवं सहयोग इसी प्रकार प्राप्त होता रहेगा, ताकि धार्मिक, सांस्कृतिक एवं सामाजिक परंपराओं को निरंतर आगे बढ़ाया जा सके। समिति की ओर से समारोह में उपस्थित सभी रामलीला आयोजकों सभी रामभक्तों एवं सहयोगियों को इस गौरवपूर्ण उपलब्धि की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ।

बॉम्बे डाइंग एंड मैन्युफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड ने नकली कोरल वाइन प्रोडक्ट्स के खिलाफ कस्टमर्स को अलर्ट जारी किया

मुंबई। बॉम्बे डाइंग, जो भारत के सबसे भरोसेमंद होम टेक्सटाइल ब्रांड्स में से एक है और जिसकी 147 साल से ज्यादा की पहचान है, ने एक पब्लिक एडवाइजरी जारी की है, जिसमें कस्टमर्स को कोरल वाइन नाम से नकली प्रोडक्ट्स की बिक्री के खिलाफ सावधान किया गया है। कंपनी ने पाया है कि कुछ अनधिकृत विक्रेता सड़कों, दुकानों और आवासीय सोसायटियों में ये उत्पाद बेच रहे हैं। ये विक्रेता कथित तौर पर नकली लेबल का इस्तेमाल कर रहे हैं और गलत तरीके से दावा कर रहे हैं कि वे बॉम्बे डाइंग से जुड़े हुए हैं।

कंपनी द्वारा जारी सूचना के अनुसार बॉम्बे डाइंग अब 'कोरल वाइन' नाम से कोई उत्पाद नहीं बनाती या बेचती है। इसलिए जो उत्पाद अभी इस नाम से अनधिकृत विक्रेताओं द्वारा बेचे जा रहे हैं, वे असली बॉम्बे डाइंग उत्पाद नहीं हैं। कंपनी ने स्पष्ट किया है कि इन विक्रेताओं को बॉम्बे डाइंग के नाम या लोगों का उपयोग करने, या ब्रांड से जुड़े होने का दावा करने की कोई अनुमति नहीं है। बॉम्बे डाइंग ने इन नकली उत्पादों की गुणवत्ता पर भी चिंता जताई है। कंपनी का कहना है कि ये उत्पाद असली बॉम्बे डाइंग उत्पादों की तुलना में बहुत घटिया हैं और इनसे ग्राहकों को स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं (विशेष रूप से त्वचा की गंभीर एलर्जी) हो सकती हैं। कंपनी ने ग्राहकों से सतर्क रहने की अपील की है, खासकर तब जब वे अस्थायी स्टॉल, सड़क किनारे के विक्रेताओं या ऐसे अनधिकृत विक्रेताओं से खरीदारी कर रहे हों जो बहुत आकर्षक डील (ऑफर) दे रहे हों।

कंपनी ने यह भी बताया है कि वह इन अनधिकृत गतिविधियों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई कर रही है, जिसमें स्थानीय अधिकारियों के पास शिकायत दर्ज कराना भी शामिल है। कंपनी ने ग्राहकों से यह भी कहा है कि यदि उन्हें किसी नकली उत्पाद या अनधिकृत बिक्री का संदेह हो, तो वे उनके आधिकारिक संचार माध्यमों के जरिए इसकी सूचना दें।

147 वर्षों से अधिक के अपने समृद्ध इतिहास के साथ, बॉम्बे डाइंग आज भी गुणवत्ता, प्रमाणिकता और ग्राहकों के भरोसे पर विशेष जोर देती है। नकली उत्पादों के खिलाफ अपनी चल रही मुहिम के जरिए ब्रांड ग्राहकों को गुमराह करने वाली बिक्री प्रथाओं से बचाने और यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि वे

1,218 दिनों में सरदार साहब ने वह कर दिया, जो कई बड़े नेता पूरे जीवनकाल में नहीं कर पाए



मुंबई। भारत के इतिहास में सरदार वल्लभभाई पटेल का नाम उस लौह स्तंभ की तरह दर्ज है, जिसने आजादी के बाद बिखरने की आशंकाओं के बीच देश को एकता के सूत्र में पिरोकर अखंड भारत की नींव रखी। सरदार साहब की 151वीं जयंती पर राष्ट्रीय एकता दिवस के अवसर पर दिल्ली में अमित शाह ने 'एकता दौड़' का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने याद दिलाया कि कैसे मात्र 1,218 दिनों में सरदार पटेल ने वह कर दिखाया, जिसे पूरी दुनिया असंभव मान रही थी। जब भारत आजाद हुआ, तब सैकड़ों रियासतों में बंटे देश के भविष्य पर सवाल उठ रहे थे। लेकिन सरदार पटेल की राजनीतिक दूरदर्शिता, असाधारण कूटनीति और लौह इच्छाशक्ति ने इन आशंकाओं को ध्वस्त कर दिया। उन्होंने बिखरी रियासतों को एक माला में पिरोकर आधुनिक भारत के भूगोल को नई पहचान दी। वे केवल स्वतंत्रता संग्राम के नायक नहीं, बल्कि अखंड भारत के ऐसे शिल्पकार थे, जिन्होंने इतिहास की दिशा बदल दी।

दुर्भाग्यपूर्ण रहा कि कांग्रेस के शासनकाल में सरदार पटेल को उनके योगदान के अनुरूप सम्मान नहीं मिला। कांग्रेस ने उनके विराट व्यक्तित्व को भुलाने का प्रयास किया, लेकिन इतिहास के सूर्य को राजनीतिक उपेक्षा के बादलों से नहीं ढका जा सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री रहते हुए स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कर सरदार साहब को वैश्विक पहचान दिलाई। आज यह प्रतिमा उनके व्यक्तित्व और अखंड भारत के संकल्प का प्रतीक है।

जिस तरह सरदार पटेल ने अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति से सैकड़ों रियासतों को एक सूत्र में बांधा था, उसी तरह मोदी सरकार में अमित शाह उनके पदचिह्नों पर चलते हुए देश की आंतरिक सुरक्षा और एकता को मजबूत कर रहे हैं। उनके नेतृत्व में 31 मार्च 2026 को भारत नक्सलवाद से मुक्त हुआ। अब अगला लक्ष्य 31 दिसंबर 2029 तक देश को नशामुक्त बनाना है। यह केवल नशे के विरुद्ध अभियान नहीं, बल्कि देश की युवा शक्ति को सुरक्षित रखने और विकसित भारत की मजबूत नींव तैयार करने का संकल्प है। सरदार पटेल ने अपने समय में देश के विखंडन की चुनौती को परास्त किया था। आज अमित शाह उसी लौह इच्छाशक्ति के साथ भारत को आंतरिक चुनौतियों से मुक्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहे हैं।

क्या एन वार्ड कमेटी में भी दोहराया जाएगा एल वार्ड जैसा घटनाक्रम?

मुंबई। एल वार्ड कमेटी के मनोनयन सदस्य के चुनाव में चांदीवली के विधायक दिलीप मामा लांडे के बेटे प्रणव लांडे की हार के बाद अब एन वार्ड कमेटी के मनोनयन सदस्य का चुनाव भी चर्चा का विषय बन गया है। राजनीतिक गलियारों में सवाल उठने लगा है कि क्या एन वार्ड में भी एल वार्ड जैसा घटनाक्रम दोहराया जा सकता है? एल वार्ड कमेटी के चुनाव में कुल 11 सदस्यों ने मतदान किया था। इनमें से नौ सदस्यों ने प्रणव लांडे के खिलाफ, जबकि केवल दो सदस्यों ने उनके पक्ष में मतदान किया। इस नतीजे में प्रणव लांडे और दो अन्य सदस्य चुनाव हार गए। इस घटनाक्रम ने राजनीतिक हलकों में कई तरह की चर्चाओं को जन्म दिया है।

एन वार्ड में सात उम्मीदवारों ने भरे आवेदन एन वार्ड कमेटी के मनोनयन सदस्य के चुनाव के लिए सात लोगों ने आवेदन जमा किए हैं। इनमें बालकृष्ण हनुमंत माने, सुरेश तुकाराम सालुंखे, अश्विनी प्रसाद इंदुलकर, अमिता घाडी-चोगले, चंद्रकांत मारुति मालकर, रामचंद्र धोंडू बर्गे, धीरज प्रहलाद सोनार शामिल हैं। इस चुनाव में आवेदकों की पात्रता को लेकर भी चर्चा तेज है। बताया जा रहा है कि कुछ आवेदक राजनीतिक दलों के जिला पदाधिकारी हैं। यदि लागू नियमों और शर्तों के अनुसार किसी राजनीतिक दल का पदाधिकारी होना अयोग्यता का आधार है, तो संबंधित आवेदनों पर सवाल उठ सकते हैं और वे खारिज भी हो सकते हैं। इसके अलावा, एक ही संगठन से दो लोगों द्वारा आवेदन किए जाने के कारण भी उनकी पात्रता को लेकर चर्चा हो रही है। हालांकि, इन आवेदनों को खारिज किया जाएगा या नहीं, यह संबंधित नियमों और सक्षम प्राधिकारी की जांच पर निर्भर करेगा। यदि संबंधित आवेदनों में से कुछ आवेदन नियमों के आधार पर खारिज होते हैं, तो मुकाबला शेष उम्मीदवारों के बीच सिमट सकता है। इसी संभावना को देखते हुए राजनीतिक हलकों में एन वार्ड के चुनाव को लेकर अटकलें लगाई जा रही हैं। अब सबकी निगाहें आवेदन पत्रों की जांच, उम्मीदवारों की पात्रता और चुनावी प्रक्रिया पर टिकी हैं। यदि नियमों और शर्तों का निष्पक्ष रूप से पालन नहीं हुआ या पात्रता को लेकर विवाद खड़ा हुआ, तो एन वार्ड कमेटी में भी एल वार्ड जैसी राजनीतिक उठापटक देखने को मिल सकती है। फिलहाल एन वार्ड में एल वार्ड जैसा घटनाक्रम दोहराया जाएगा या नहीं, इसका फैसला चुनावी प्रक्रिया और अंतिम पात्रता सूची के बाद ही स्पष्ट होगा।

माता-पिता की सेवा करने से ही जीवन में सुख शांति और समृद्धि मिलती है: सीमा सिंह



भायंदर। माता-पिता को साक्षात ईश्वर का रूप माना गया है। उनकी सेवा करने से जीवन में सुख, शांति, और समृद्धि आती है। जो लोग अपने माता-पिता का अपमान करते हैं, ईश्वर उन्हें कभी माफ नहीं करता। देश की प्रतिष्ठित सामाजिक संस्था मेघाश्रेय द्वारा भायंदर पश्चिम के उत्तन स्थित किशनगोपाल राजपुरिया वानप्रस्थ आश्रम में आयोजित कार्यक्रम में बोलते हुए संस्था की अध्यक्ष तथा प्रख्यात समाजसेवी सीमा सिंह ने उपरोक्त बातें कहीं। उन्होंने कहा कि यह दुर्भाग्य है कि जो माता-पिता दुख झेलकर भी अपनी संतानों को पढ़ा लिखाकर काबिल बनाते हैं, वही संताने उन्हें एक दिन वृद्ध आश्रम में जाने के लिए विवश कर देती हैं। उन्होंने कहा कि बुजुर्गों की सेवा करना परम सौभाग्य है। मेघाश्रेय द्वारा आश्रम में भगवान राम और भगवान कृष्ण तथा भगवान शंकर की आकर्षक झांकियां निकाली गई। सभी के चेहरों पर खुशी झलक रही थी। आश्रम के सभी बुजुर्गों के साथ सीमा सिंह ने खुद भोजन किया। सभी को खाद्य सामग्री और उपहार वितरित किए गए और दिवाली की अग्रिम शुभकामना दी गई। पत्रकारों से बात करते हुए सीमा सिंह ने कहा कि बुजुर्गों के साथ बिताए गए क्षण अत्यंत अमूल्य और ज्ञानवर्धक रहा। उनके अनुभवों का लाभ समाज और देश को मिलना चाहिए।

राहुल गांधी को प्रधानमंत्री बनना है, तो पूरा जीवन Mock Parliament में ही बने रहें



मुंबई। 1984 जब दिल्ली की सड़कें खून से लाल थीं। हजारों सिखों की निर्मम हत्या हुई, घर जलाए गए, परिवार उजड़ गए, बच्चे अनाथ हुए और न जाने कितनी महिलाएँ विधवा हो गईं। उस दर्दनाक नरसंहार के जख्म आज भी सिख समुदाय के दिलों में ताजा हैं। लेकिन इतिहास के इस काले अध्याय से सबक लेने के बजाय राहुल गांधी और कांग्रेस ने एक बार फिर ऐसा फैसला किया, जिसने पीड़ित परिवारों की भावनाओं को आहत कर दिया। सिख नरसंहार की बरसी के दिनों में दिल्ली में रैली और प्रदर्शन का आयोजन! आखिर कांग्रेस को राजनीतिक शक्ति प्रदर्शन के लिए यही दिन क्यों चुनना था?

चंडीगढ़ प्रशासन की 258 करोड़ रुपये की विभिन्न विकास परियोजनाओं के लोकार्पण एवं शिलान्यास कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कांग्रेस, राहुल गांधी और इंडी गठबंधन की राजनीति पर जोरदार हमला बोला। आधुनिक भारत के चाणक्य अमित शाह ने इस अवसर पर जहाँ चंडीगढ़ के विकास के प्रति मोदी सरकार की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया, वहीं 1984 के सिख नरसंहार की याद दिलाकर कांग्रेस को उसके अतीत और वर्तमान की राजन